RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14 अंक - 164 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 29 मार्च 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

शादी से एक दिन पहले दूल्हे ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, घर में पसरा मातम

धमतरी। बारात जाने के एक दिन पहले दूल्हे ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना से घर में मातम छा गया है। जबकि 30 मार्च को मृतक का घर से बारात निकलने वाला था।

अर्जुनी पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत ड़ोड़की निवासी रोशन बांधे 25 वर्ष का शादी घर में शुरू हो गया था। 28 मार्च को शादी कार्यक्रम के तहत ग्रामीणों को भोजन कराया गया। तेल, हल्दी कार्यक्रम के बाद रात 12 बजे रोशन ने हाथ पर मेहंदी लगवाया। फिर सभी सो गए। रात तीन बजे लघुशंका के लिए रोशन बांधे उठा और घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। सुबह परिजनों ने उनके शव को देखा तो सबका होश उड़ गया।

घटना की जानकारी गांव में फैल गया। कोटवार व ग्रामीणों की मदद से ग्रामीणों ने अर्जुनी पुलिस को घटना की जानकारी दी। पुलिस मौके पर पहुंची। घटनास्थल पर शव का पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल धमतरी भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद शव स्वजनों को सौंप दिया।

पुलिस ने बताया कि रोशन बांधे का विवाह राजिम क्षेत्र के एक गांव के युवती से होने वाला था। घर में शादी की पूरी तैयारी हो गई थी। 30 मार्च को घर से बारात जाने वाला था, लेकिन इस बीच यह घटना हो गई है। अर्जुनी पुलिस ने बताया कि फिलहाल आत्महत्या का कारण अज्ञात है। वहीं परिजनों ने आत्महत्या के कारण को लेकर किसी तरह की जानकारी नहीं दी है। युवक सीमेंट दुकान में काम करता था। शांत स्वभाव का युवक था, लेकिन आत्महत्या क्यों की है पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

एक अप्रैल से UPI से लेन-देन पड़ सकता है महंगा, 2000 रुपए से ज्यादा के पेमेंट पर लगेगा एक्स्ट्रा चार्ज!

नई दिल्ली (एजेंसी)। यदि आप यूपीआई से लेनदेन करते हैं तो यह खबर आपके लिए है। 1 अप्रैल 2023 से यूपीआई पेमेंट का एक नियम बदलने जा रहा है। नए वित्तीय वर्ष के शुरू होने के साथ ही लोगों को बड़ा झटका लग सकता है, क्योंकि यूपीआई से लेन-देन (PI Transaction) भी महंगा होने वाला है। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफइंडिया (NPCI) ने यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (UPI) पेमेंट को

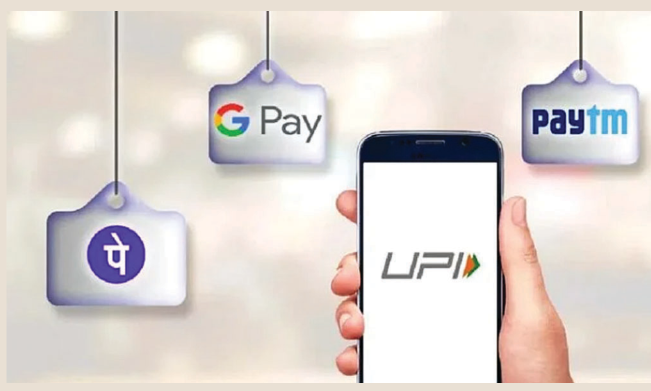

लेकर एक सर्कुलर जारी किया है। सर्कुलर में UPI के जरिए 2,000 रुपए से ज्यादा के ट्रांजेक्शन पर 1.1 फीसदी प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट यानि PPI लगाने का सुझाव दिया गया है।

नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) के सर्कुलर में अप्रैल की पहली तारीख से यूपीआई से होने वाले मर्चेंट पेमेंट पर PPI चार्ज लगाने की सिफारिश की गई है। जारी सर्कुलर के मुताबिक NPCI ने इंटरचेंज लगाने का संकेत दिया है, जो कि 0.5-1.1 फीसदी तक हो सकता है। यह चार्ज मर्चेंट ट्रांजैक्शंस यानी व्यापारियों को पेमेंट करने वाले यूजर्स को देना पड़ेगा।

30 सितंबर से पहले होगी इसकी समीक्षा-एनपीसीआई

NPCI के सर्कुलर से संकेत मिल रहे हैं कि 1 अप्रैल से UPI पेमेंट यानी गूगल पे (Google Pay), फोन पे (Phone Pay) और पेटीएम (Paytm) जैसे डिजिटल माध्यम से अगर आप 2,000 रुपए से ज्यादा का पेमेंट करेंगे, तो फिर आपको इसके लिए ज्यादा जेब ढीली करनी होगी। मिली जानकारी के मुताबिक करीब 70 फीसदी UPI P2M लेन-देन 2,000 रुपए से अधिक के मूल्य होते हैं, ऐसे में इन पर 0.5 से लगभग 1.1 फीसदी का इंटरचेंज लगाया जा सकता है। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन (NPCI) ने अपने सर्कुलर में कहा है कि इस नए नियम को 1 अप्रैल से लागू करने के बाद NPCI इसका समीक्षा 30 सितंबर, 2023 से पहले करेगा।

10 मई को मतदान, 13 मई को नतीजे चुनाव आयोग ने जारी किया शेड्यूल

नई दिल्ली। कर्नाटक में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान हो गया है। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए 10 मई को मतदान होगा और नतीजे 13 मई को नतीजे आएंगे। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस लेकर बताया कि कर्नाटक में एक चरण में मतदान कराया जाएगा। 224 विधानसभा सीटों पर 5.21 करोड़ मतदाता अपने वोट का इस्तेमाल करेंगे। एक अप्रैल को 18 वर्ष पूरा करने वाले युवा भी वोटिंग में हिस्सा ले सकेंगे।

बता दें राज्य में मौजूदा भाजपा सरकार का कार्यकाल 24 मई को खत्म हो रहा है। इस बार भी मुख्य मुकाबला भाजपा, कांग्रेस और छ्व्रष्ठस् के बीच रहेगा। पिछली बार छ्व्रष्ठस्-कांग्रेस साथ थी, लेकिन इस बार छ्व्रष्ठस् अलग चुनाव लड़ेगी। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि 1 अप्रैल को 18 साल के होंगे, वो भी वोट डाल सकेंगे। इसके लिए चुनाव आयोग ने पहले से तैयारियां की थी और एडवांस में आवेदन मंगाए थे।

4 राज्यों की 5 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव भी होंगे

इसके अलावा पंजाब और यूपी समेत 4 राज्यों की 5 विधानसभा सीटों पर भी 10 मई को उपचुनाव होंगे। नतीजे 13 मई को आएंगे। पंजाब की जालंधर, ओडिशा की झारसुगुड़ा, उत्तर प्रदेश की छानबे और स्वार, मेघालय की सोहियोंग सीट पर उप-चुनाव होंगे। कर्नाटक चुनाव के साथ ही इसके भी नतीजे १३ मई को घोषित किए जाएंगे।

5 साल में 3 सीएम, पहले जेडीएस-कांग्रेस, फिर भाजपा

कर्नाटक में 224 विधानसभा सीटें हैं। 2018 में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा को 104, कांग्रेस को 78 और जेडीएस ने 37 सीटें जीती थीं। इसके बाद कांग्रेस-जेडीएस की गठबंधन सरकार बनी। 14 महीने बाद कर्नाटक की सियासत ने फिर करवट ली। कांग्रेस और जेडीएस के कुछ विधायकों की बगावत के बाद कुमारस्वामी को कुर्सी छोड़नी पड़ी। इन बागियों को येदियुरप्पा ने भाजपा में मिलाया और 26 जुलाई 2019 को 219 विधायकों के समर्थन के साथ बीएस येदियुरप्पा बने, लेकिन 2 साल बाद ही उन्होंने इस्तीफा दे दिया। बसवराज बोम्मई को यहां का मुख्यमंत्री बना दिया गया।

कर्नाटक इलेक्शन के 4 बड़े पॉइंट्स

- 16,976 लोग 100 साल से ऊपर हैं। 80 साल से ऊपर और दिव्यांगों के लिए घर से वोटिंग की सुविधा।
- 9.17 लाख वोटर्स पहली बार वोट डालेंगे।
- 1 अप्रैल को 18 साल के हो रहे युवा भी वोट डाल सकेंगे। इनकी संख्या 41 हजार है।
- 58,282 पोलिंग स्टेशन हैं। इनमें 1320 महिलाएं मैनेज करेंगी।

प्रधानमंत्री आवास के नाम पर ठगी

शातिरों ने खुद को पीएम आवास योजना का अफसर बताया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास दिलाने का झांसा देकर भिलाई में दर्जनों लोगों से लाखों रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। सुपेला में बाकायदा इसके लिए दफ्तर का संचालन भी किया जा रहा है। लोगों को झांसे में लेकर उनसे रुपए ऐंठ लेते और उन्हें दफ्तर के चक्कर कटवाते थे। चिंगरी पारा, नेहरू भवन के पीछे रहने वाले राकेश चौसरे (26) ने ज्योति सोनी, मकसूद , रेशमा खातून व शाहिद के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। सुपेला पुलिस ने मामले में 34, 420 के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार नेहरू भवन सुपेला स्थित राकेश मोबाइल का संचालक राकेश चौसरे ने सुपेला थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने अपनी शिकायत में बताया कि उसे प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास लेना था। उसके परिचित रमेश खंडारे से पता चला कि ज्योति सोनी नाम की महिला प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत जरूरतमंद लोगों को आवास दिलाने का काम करती है। इसकी जानकारी होने के बाद राकेश पांच रास्ता सुपेला स्कूल के पीछे स्थित मुद्रा फाइनेंस में ज्योति सोनी से 2020 में मुलाकात की।

लिस्ट दिखाकर लिया झांसे में

ज्योति सोनी ने बताया कि वह प्रधानमंत्री आवास मकान दिलाने का काम रेशमा खातून उसका लड़का शाहिद एवं मकसूद के साथ मिलकर करती है। उसने राकेश को एक लिस्ट भी दिखाई जिसमें मकान लेने वालों का नाम लिखा हुआ था। राकेश उसकी बातों में आ गया और मकान लेने की इच्छा जताई। तक ज्योति सोनी ने और किसी को भी मकान की जरूरत हो तो बता देना। इस दौरान उसने एक मकान का ढाई लाख रुपए रेट बताया।

50 रुपए के स्टांप पर इकरारनामा

इसके बाद राकेश ने ज्योति सोनी के ऑफिस मुद्रा फाइनेंस एक इकरारनामा 50 रुपए के स्टांप पेपर के माध्यम से 29-12-2020 को किया। इसके बाद पहली बार 76000 रुपए 7 जनवरी 21 को फोन पे के माध्यम से ज्योति सोनी को दिया। इसके बाद अलग अलग किस्तों में 2 लाख 50 हजार रुपए दे दिया गया। इसके बाद ज्योति सोनी ने राकेश की मां यशोदा चौसरे के नाम से 55,850 रुपए की रसीद नगर पालिक निगम भिलाई की पावती के रूप में 15 जनवरी 21 को दिया। इस दौरान ज्योति सोनी ने उसके साथी मकसूद को नगर निगम का अधिकारी बताया और रेशमा को निगम का कर्मचारी बताया।

रुपए लेने के बाद नहीं दिलाया आवास

राकेश ने अपनी शिकायत में बताया कि रकम लेने के बाद ज्योति सोनी ने आज तक आवास नहीं दिलाया। यही नहीं रुपए वापस मांगने से भी वापस भी नहीं कर रही हैं। फोन करने पर जवाब नहीं देती थी तथा फोन भी बंद कर देती थी। इस तरह का व्यवहार देखकर समझ आया कि ज्योति सोनी ने रेशमा खातून ,शाहिद ,मकसूद के साथ मिलकर मेरे साथ प्रधानमंत्री आवास दिलाने के नाम पर रकम लेकर मकान और पैसा न देकर मेरे साथ धोखाधड़ी किया है।

झूठे केस में फंसाने की दी धमकी

बार बार पैसा मांगने पर एक बार 10 हजार रुपए दिए उसके बाद फिर से घुमाने लगे। यही नहीं झूठे केस में फंसाने की धमकी भी देने लगे थे। राकेश ने बताया कि ज्योति सोनी ने मकसूद रेशमा खातून व शाहिद ने मिलकर रत्ना वर्मा, रजनी, आनंद दास मानिकपुरी, रमेश मोतीराम खंडारे, ललिता देवी, सरिता ,सतीशचंद्र घोडे व मीना राम को भी प्रधानमंत्री आवास दिलाने के नाम पर ठगा है। सुपेला पुलिस ने इस मामले में चारों के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज किया है।

असामाजिक तत्वों की करतूत! रेलवे स्टेशन पर आग से हड़कंप, घंटों मशक्कत के बाद पाया काबू

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा रेलवे स्टेशन परिसर में उस वक्त हड़कंप मच गया जब पब्लिक टॉयलेट पर आगजनी की घटना सामने आई। देखते ही देखते पब्लिक टॉयलेट जलने लगी और आप की लपटें देख लोगों में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना तुरंत दमकल विभाग को दी गई जिसके बाद जिसके बाद मौके पर पहुंची दमकल की कई गाड़ियों ने घंटों मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

घटना सुबह तड़के 4:00 बजे की है, जब पब्लिक टॉयलेट में आग लग गई। घटना की सूचना पर रेलवे के अधिकारी कर्मचारी समेत आसपास के लोग एकत्रित हो गए। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि दूर-दूर तक दिखने लगीं। स्टेशन मास्टर एके गुप्ता मौके पर पहुंचे और इसकी सूचना तत्काल दमकल वाहन को दी गई। फाटक बंद होने के चलते दमकल वाहन पहुंचने में देर हो गई, जिसके चलते पब्लिक टॉयलेट का काफी हिस्सा बुरी तरह से जलकर खाक हो चुका था। घंटों मशक्कत के बाद दमकल वाहन ने आग पर काबू पाया।

मौके पर पहुंचे स्टेशन मास्टर ने बताया कि जब वह आग की सूचना पाकर पहुंचे तो देखा कि पब्लिक टॉयलेट के पास कपड़ों का ढेर पड़ा था और ऐसा लग रहा था कि किसी ने जानबूझकर इसमें आग लगाई है। माना जा रहा है कि असामाजिक तत्वों की करतूत के कारण आगजनी की घटना घटी। इसकी सूचना उसने रेलवे आरपीएफपोस्ट कोतवाली थाना पुलिस को दी गई है, मामले की जांच की जा रही है। पब्लिक टॉयलेट के आसपास ऑटो स्टैंड और रेलवे स्टैंड संचालित हैं, गनीमत रही कि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया नहीं तो एक बड़ी घटना हो सकती थी।

मुखबिरी के शक में फिर हत्या : सुकमा में नक्सलियों ने ग्रामीण को अगवाकर मार डाला

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। सुकमा में नक्सलियों ने मंगलवार देर रात फिर एक ग्रामीण की हत्या कर दी। देर रात नक्सली गांव में पहुंचे और ग्रामीण को अगवा कर ले गए। इसके बाद धारदार हथियार से उसे मार दिया। फिर शव छोड़कर भाग निकले। नक्सलियों ने शव के पास ही पर्चे भी फेंके हैं। इसमें ग्रामीण पर पुलिस मुखबिर होने का आरोप लगाया है। नक्सलियों ने ग्रामीण के भाई को भी धमकी दी है। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। मामला भेज्जी थाना क्षेत्र का है।

ओंधेरपारा निवासी मड़कम राजेश ने बताया कि मंगलवार रात घर के सभी सदस्य खाना खाने के बाद सो रहे थे। इसी दौरान कुछ नक्सली घर में घुस आए। उन्होंने बड़े भाई मड़कम रमेश को उठाया और फिर घर से कुछ दूर ले जाकर हत्या कर दी। शव के पास नक्सलियों ने पर्चे फेंके हैं। इसमें लिखा है कि मड़कम राजेश तीन साल से पुलिस का मुखबिर था। पुलिस मुखबिरी छोड़ने के लिए उसे कई बार समझाया भी, पर नहीं माना। इसके बाद नक्सलियों की कोंटा एरिया कमेटी ने उसकी मौत का फरमान जारी कर दिया।

एसपी सुनील शर्मा का कहना है कि, नक्सली अब खात्मे की ओर हैं, इसलिए गरीब आदिवासियों को डराने के साथ ही हत्या कर रहे हैं। पुलिस ने नक्सलियों से अपील की है की गरीब आदिवासियों को ना सताया जाए। ग्रामीण आदिवासी की हत्या में शामिल नक्सलियों पर जल्द से जल्द कार्यवाही की जाएगी। इस घटना को कोंटा एरिया कमेटी ने अंजाम दिया है। उसका एलएसओ कमांडर वट्टी भीमा पुलिस के टारगेट पर है। जल्द ही पुलिस उसके खिलाफ भी कार्यवाही करेगी।

बॉयफ्रेंड के खर्चे पर प्रेमी की शादी

श्रीकंचनपथ

धमतरी की रहने वाली एक युवती ने एक अनोखी मिसाल पेश की है। उसने अपने प्रेमी के साथ विवाह करने के लिए अपने बॉयफ्रेंड का इस्तेमाल किया। उसने चारामा निवासी अपने बॉयफ्रेंड से 24 लाख रुपए ले लिए। इस रकम का उपयोग कर उसने अपने प्रेमी से विवाह कर लिया और उसके साथ रहने लगी। जब बॉयफ्रेंड को इसकी भनक लगी तो वह पुलिस के पास पहुंच गया। पुलिस ने लड़की को बिलासपुर से गिरफ्तार कर लिया। उसका पति भी इसी भ्रम के साथ जी रहा था कि यह रकम उसके ससुर ने ही उसका घर बसाने के लिए उपहार स्वरूप दिये हैं। लोकलाज के भय से पिता समाज के सामने दोनों का विवाह नहीं करा पाया था, शायद इसी बात का वह प्रायश्चित्त कर रहा था। पर जब बॉयफ्रेंड मामले का खुलासा हुआ तो उसके भी पैरों तले की जमीन खिसक गई। वैसे इस तरह का यह कोई पहला मामला नहीं है। बॉयफ्रेंड वैसे भी चोमू टाइप होते हैं। जिन लड़कों को अपने घर वालों या दोस्तों पर चार पैसे खर्च करने में तकलीफहोती है, वो भी अपनी गर्लफ्रेंड की बड़ी से बड़ी मांग को पूरा करने की कोशिश करते हैं। चालाक युवतियां उनकी इस कमजोरी का फायदा उठाती हैं। कुछ समय पहले पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले की कुछ युवतियों ने भिलाई के कुछ युवकों से शादी की थी। ये सभी आपस में सहेलियां थीं। सभी शादियां भिलाई में ही हुई थीं। शादी के बाद तीनों परिवारों में तनावपूर्ण माहौल था। लड़कियां अपने पति को हाथ नहीं धरने देती थीं। उलटे दिन भर सबको धमकाती थी कि थाना-पुलिस कर सबको जेल भिजवा देगी। विवाह के बाद उन्होंने पतियों के साथ जमकर शॉपिंग की और खूब गिफ्ट भी बटोरे पर भूलकर भी संबंध नहीं बनाए। जब पानी सिर से ऊपर चला गया तो लोगों ने इन फर्जी पत्नियों से मुक्ति पाने की कोशिश की। किसी ने दो लाख तो किसी ने तीन लाख लेकर तलाक के कागज पर हस्ताक्षर कर दिये और अपने घर लौट गईं। देश के कुछ शहरों में यह एक नया ट्रेंड शुरू हो गया है। पिछले साल नवम्बर में भी इसी तरह का एक किस्सा लखनऊ में सामने आया था। दुल्हन ने विवाह के बाद पति को अपने से दूर ही रखा। तीसरे दिन वह नगदी और जेवर लेकर चम्पत हो गई। जब पकड़ी गई तो उसने बताया कि यही उसका पेशा है। लखनऊ, आगरा, फतेहपुर, अजमेर जैसे शहरों से भी इस तरह की खबरें आती रही हैं। एक वाकया तो ऐसा भी हुआ कि लौटती बारात को बेहोश कर दुल्हन ससुराल पहुंचने से पहले ही ट्रेन से फरार हो गई। उसका प्रेमी भी उसी ट्रेन से सफर कर रहा था। महर्षि वेदव्यास ने भी कहा था कि स्त्रियों के मनोभाव को ताड़ना किसी के बस की बात नहीं है। सात जन्मों का रिश्ता जोड़ने चले हैं, कुछ तो पड़ताल कर लेते।

संपादकीय

अतीक को उम्रकैद

करीब डेढ़ दशक पहले हुई बसपा विधायक राजू पाल की हत्या के चश्मदीद गवाह उमेश पाल के अपहरण के मामले में प्रयागराज की एमपी-एमएलए अदालत ने बाहुबली अतीक अहमद और उसके दो सहयोगियों दिनेश पासी व सौलत हनीफ को दोषी पाते हुए सश्रम उम्रकैद की जो सजा सुनाई है, उसका स्वागत ही किया जाएगा। समाज में आतंक और खौफ का कारोबार करने वाले तत्वों के खिलाफ ऐसी सजा जहां पीड़ितों के साथ इंसाफ है, वहीं आम नागरिकों को यह तसल्ली भी बख्शती है कि दोषी कितना भी रसूखदार क्यों न हो, उसे कठघरे में आना ही होगा और अपने किए का अंजाम भी भोगना पड़ेगा। उस हत्याकांड को जिस तरीके से अंजाम दिया गया था, और फिर उमेश पाल के अपहरण के जरिये जिस तरह यह पैगाम देने की कोशिश की गई थी कि अतीक के खिलाफ कोई मुंह न खोले, वह सीधे-सीधे कानून के राज व तत्कालीन शासन के इकबाल को गंभीर चुनौती देना था, मगर अफसोसनाक यह है कि अपने सियासी रसूख व मजहबी कार्ड की बदौलत वह कानूनी दांव-पेच का फायदा उठाता रहा और जिम्मेदार राजनीतिक पार्टियां उसका इस्तेमाल करती रहीं। निस्संदेह, यह संतोष की बात है कि इस अपराध से जुड़े एक गुनाह के गुनहगारों को सजा मिल गई है, मगर इस मामले का चिंताजनक पहलू यह है कि इतने जघन्य कांड को पहले फैसले तक पहुंचने में ही लगभग 17 साल लग गए, जबकि ऊपरी अदालतों का इसका सफर अभी बाकी है! आखिर जब गवाह ही खौफजदा होंगे, तो इंसाफ कैसे अपनी मंजिल तय करेगा? सुप्रीम कोर्ट और सरकार को ऐसे मामलों को तयशुदा अवधि में निपटाने की कोई ठोस व्यवस्था करनी चाहिए, जिनसे समाज में नजीर कायम हो सके। हम इस बात को नजरअंदाज नहीं कर सकते कि अतीक जैसे लोग राजनीति का कवच क्यों धारण करते हैं? हमें इस तथ्य को भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए कि देश के सांसदों-विधायकों, पूर्व सांसदों-पूर्व विधायकों के खिलाफ लगभग 3,000 आपराधिक मुकदमे लंबित हैं। इनमें से 950 से अधिक के खिलाफ तो पांच वर्षों से भी अधिक साल से लंबित हैं। कई माननीयों के खिलाफ ऐसे संगीन आरोप हैं कि यदि वे दोषी करार दिए गए, तो उनकी सदस्यता चली जाएगी। भारतीय लोकतंत्र की विडंबना यह है कि इसके विधायी सदनों में दागियों की संख्या उत्तरोतर बढ़ती ही जा रही है। बहरहाल, अतीक को मिली सजा का सारगर्भित संदेश यही है कि बाहुबलियों में नायक तलाशती भीड़ को अपनी आंखें खोलनी चाहिए। जिस शख्स पर करीब 60 मुकदमे चल रहे हों, वह किसी का आदर्श कैसे हो सकता है? वह भी हत्या, अपहरण और फिरौती वसूलने जैसे जघन्य अपराधों का आरोपी! उत्तर प्रदेश सरकार ने माफिया तत्वों के खिलाफ जो सख्त रुख अपनाया है, उससे देश भर की तमाम सरकारें अगर सबक लें और बगैर किसी भेदभाव के सभी रसूखदार अपराधियों के खिलाफ जांच एजेंसियां तत्परता दिखाएं, तो इस नासूर से मुक्ति पाने में बहुत वक्त नहीं लगेगा। राजनीतिक दलों के लिए जिताऊ प्रत्याशी के मोह से मुक्त होने का वक्त आ गया है। वे जब तक अपने-अपने भीतर के अतीकों से छुटकारा नहीं पाएंगे, तब तक उनकी सियासत कभी सुर्खरू नहीं होगी। समाज में अपराधियों का मनोबल तोड़ने का पहला जरूरी कदम यही है कि एमपी-एमएलए कोर्ट और आला अदालतें अपने आगे लंबित मामलों का त्वरित निपटारा करें।

“ हम इस बात को नजरअंदाज नहीं कर सकते कि अतीक जैसे लोग राजनीति का कवच क्यों धारण करते हैं? हमें इस तथ्य को भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए कि देश के सांसदों-विधायकों, पूर्व सांसदों-पूर्व विधायकों के खिलाफलगभग 3,000 आपराधिक मुकदमे लंबित हैं। इनमें से 950 से अधिक के खिलाफ तो पांच वर्षों से भी अधिक साल से लंबित हैं। कई माननीयों के खिलाफ ऐसे संगीन आरोप हैं कि यदि वे दोषी करार दिए गए, तो उनकी सदस्यता चली जाएगी।

फांसी की सजाः विकल्प तलाशने की कवायद

सर्वोच्च अदालत द्वारा भारत में मृत्युदंड के तरीके अर्थात फांसी की सजा के विकल्प पर विचार करने के लिए एक समिति के गठन के संकेत दिए गए हैं। खास बात यह है कि सर्वोच्च न्यायस्थल द्वारा ऐसा निर्णय केवल इसलिए है ताकि मृत्युदंड का कोई ऐसा विकल्प तलाशा जा सके जो अपेक्षाकृत कम दर्दनाक और अधिक मानवीयतापूर्ण हो। दूसरे शब्दों में यदि यह कहा जाए कि शीर्ष अदालत द्वारा जघन्य अपराध के दोषियों के लिए यातनारहित मृत्यु का तरीका ढूंढा जा रहा है, तो गलत नहीं होगा।

जघन्य अपराधों के लिए मृत्युदंड दिए जाने की व्यवस्था तो बहुत प्राचीन काल से विद्यमान है। हम अपने धर्मग्रंथों रामायण एवं महाभारत में वर्णित विभिन्न घटनाओं पर विचार करें तो भी निष्कर्ष यही निकलता है कि गंभीर अपराधों का परिणाम दोषी को मृत्युदंड द्वारा ही भुगतना पड़ता था। आज की स्थिति भी यही है कि भारत में हत्या एवं बलात्कार जैसे अमानवीय कृत्यों के लिए मृत्युदंड के रूप में फांसी की व्यवस्था है। न्याय व्यवस्था के लचीलेपन का इससे बड़ा प्रमाण और क्या हो सकता है कि 2009 में तमिलनाडु में सात वर्ष के बच्चे के अपहरण एवं हत्या के दोषी के मृत्युदंड को सर्वोच्च न्यायालय द्वारा बीस वर्ष के आजीवन कारावास में सिर्फ इस तर्क के आधार पर तब्दील कर दिया गया कि अपराधी होने के बावजूद उसमें सुधार की संभावना विद्यमान है। सोलह दिसम्बर, 2012 को दिल्ली में घटित निर्भया कांड को हममें से शायद ही कोई जीवन में भूल पाएगा। हैवानियत की नग्नता एवं दर्दनाक चीखों से युक्त इस निर्मम घटना ने पूरे देश को दहला कर रख दिया था। ध्यातव्य तो है कि एक ऐसे कांड, जिसमें पशुता की सभी हदें पार कर दी गई हों, का इंसाफ होने में सात वर्ष, तीन माह और तीन दिन लग गए। वो भी पीड़िता की मां द्वारा की गई तमाम जटिल कानूनी कोशिशों के बाद। इसे कहीं न कहीं हमारी न्याय व्यवस्था की कमी कहा जाए अथवा आवश्यकता से अधिक लचीलापन, कि वारदात होने एवं दोषी को सजा मिलने के बीच लंबा समयांतराल होता है, जिसमें पीड़ित अथवा पीड़िता के परिजनों को न्याय की प्रतीक्षा के साथ-साथ उसे हासिल करने के लिए जी जान लगानी पड़ती है। सर्वोच्च अदालत में दाखिल जनहित याचिका में मृत्युदंड के लिए फांसी के तरीके को क्रूर, तकलीफदेह एवं अमानवीय बताते हुए किसी ऐसे तरीके को अपनाए जाने की मांग की गई है जो मानवीय गरिमा को कायम रखने वाला हो। न्यायालय ने केंद्र सरकार से ऐसे वैज्ञानिक डेटा की उपलब्धता को लेकर प्रश्न किया है, जो मृत्यु के विभिन्न तरीकों में होने वाले कष्ट के मापन से संबंधित हो।

याचिकाकर्ता से एक प्रश्न तो निश्चित रूप से किया ही जाना चाहिए कि क्या किसी बहन अथवा बेटी के जीवन से खिलवाड़ करने वाले हैवान द्वारा उस कष्ट के विषय में तनिक भी विचार किया गया था जो पीड़िता द्वारा तड़प-तड़प कर सहा गया। कटु सत्य तो यह है कि आए दिन कभी मासूम बच्चियों से, तो कभी किशोरियों से होने वाले जघन्य अपराध केवल और केवल इस वजह से होते हैं कि अपराधी इनके परिणाम को लेकर निश्चिंत रहता है। उसके अंदर अपराध के दंड को लेकर तनिक भी खौफ नहीं होता। क्या हमारे कानून एवं न्याय व्यवस्था का इतना लचीला होना उचित है कि निर्भया कांड का आरोपी, जिसने सर्वाधिक घृणित एवं दरिंदगीपूर्ण कृत्य को अंजाम दिया, केवल नाबालिग होने के कारण सजा से बच गया। छब्बीस नवम्बर, 2008 को मुंबई में हुए आतंकवादी हमले का आरोपी, जिसने सैकड़ों निर्दोषों को मौत के घाट उतार कर मुंबई के कई स्थानों को रक्तरंजित कर दिया था, चार वर्ष के बाद फांसी के तख्ते तक पहुंच पाया। हमें मानना होगा कि कहीं न कहीं हमारी न्याय व्यवस्था एवं अपराधियों के प्रति उसका रवैया जरूरत से ज्यादा नरम है।

“ विदेशी उच्च शिक्षण संस्थान हमारे कई संस्थानों पर बीस साबित हो सकते हैं। वहां छात्र-छात्राओं को बेहतर सुविधाएं तो मिलेंगी ही, अच्छा पाठ्यक्रम, पठन-पाठन का अत्याधुनिक तरीका देश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का माहौल और समृद्ध करेगा। इससे शिक्षकों में भी प्रतिस्पर्द्धी माहौल बढ़ेगा। फिलहाल भारत में करीब 15 लाख शिक्षक उच्च शिक्षण-कार्य में जुटे हैं, जिनमें से कई संसाधनों के अभाव में नई तकनीक से दूर हैं।

उच्च शिक्षा में सुधार का बड़ा दांव

हरिवंश चतुर्वेदी, डायरेक्टर, बिमटेक

भारत में इन दिनों विदेशी उच्च शिक्षण संस्थानों के परिसरों की स्थापना सुर्खियों में है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, यानी यूजीसी द्वारा जारी दिशा-निर्देश संबंधी मसौदे पर लोगों से सुझाव मांगने की मीयाद पूरी हो चुकी है और अब नजर सरकार के अगले कदम पर है। देखा जाए, तो यह कोई नया मामला नहीं है। पूर्ववर्ती यूपीए सरकार के दौरान भी इससे जुड़े करीब सात बिल तैयार किए गए थे, पर विरोध के कारण उनको पेश नहीं किया जा सका। तब यह कहा गया था कि ऐसे संस्थान हमारे विश्वविद्यालयों की सेहत बिगाड़ सकते हैं। मगर अब नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में बताया गया है कि देश की उच्च शिक्षा को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्द्धी बनाने के लिए जरूरी है कि हमारे शिक्षण संस्थानों की सहभागिता बाहरी विश्वविद्यालयों के साथ बढ़े।

भारत में उच्च शिक्षा का एक बड़ा बाजार है। देश की करीब 1.4 अरब आबादी में उच्च शिक्षा पाने वाले विद्यार्थियों की संख्या 4.13 करोड़ है। आलम यह है कि हर साल छह से सात लाख छात्र अच्छी शिक्षा हासिल करने के लिए दूसरे देशों का रुख करते हैं। इसकी एक वजह यह भी है कि भारत के शीर्ष संस्थानों में कई बार कट ऑफ99 से 100 प्रतिशत तक चला जाता है, जिसके कारण छात्रों की एक बड़ी संख्या बेहतर शिक्षा से दूर हो जाती है। सरकार इसी कमी को पाटना चाहती है, जिसके लिए विदेशी उच्च शिक्षण संस्थानों पर दांव खेला जा रहा है।

विदेशी विश्वविद्यालयों का आना कई मामलों में फायदेमंद हो सकता है। इससे हम 'टैलेंट क्राइसिस', यानी प्रतिभा के संकट से पार पाने में सफल हो सकते हैं। रिपोर्ट बताती है कि देश के 50 फीसदी कॉलेजों में जरूरत के आधे शिक्षक भी नहीं हैं। फिर, पिछले 30 वर्षों में उच्च शिक्षा, विशेषकर तकनीकी शिक्षा का जो विस्तार हुआ है, उसका नुकसान मानविकी व विज्ञान जैसे विषयों के छात्र-छात्राओं को उठाना पड़ा है। उनके लिए रोजगार के अवसर तुलनात्मक रूप से सिमटते गए हैं। हमारे यहां बेशक आईआईटी, आईआईएम जैसे उच्च श्रेणी के शिक्षण संस्थान हैं, और तमाम तरह के केंद्रीय विश्वविद्यालय भी, लेकिन देश का हर बच्चा इतना भाग्यशाली नहीं होता कि वह इन संस्थानों में दाखिला पा सके।

विदेशी उच्च शिक्षण संस्थान हमारे कई संस्थानों पर बीस साबित हो सकते हैं। वहां छात्र-छात्राओं को बेहतर सुविधाएं तो मिलेंगी ही, अच्छा पाठ्यक्रम, पठन-पाठन का अत्याधुनिक तरीका देश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का माहौल और समृद्ध करेगा। इससे शिक्षकों में भी प्रतिस्पर्द्धी माहौल बढ़ेगा। फिलहाल भारत में करीब 15 लाख शिक्षक उच्च शिक्षण-कार्य में जुटे हैं, जिनमें से कई संसाधनों के अभाव में नई तकनीक से दूर हैं। विदेशी संस्थानों की आमद से उनमें तकनीक अपनाने की होड़ मच सकती है।

मगर इसकी कुछ कीमत भी हमें चुकानी पड़ सकती है। हमारे बेहतर शिक्षण संस्थानों को इसका बड़ा नुकसान हो सकता है। उनकी अच्छी फैकल्टी को विदेशी संस्थान सुविधाओं और तनख्वाह के नाम पर लुभाने की कोशिश कर सकते हैं। यूजीसी के दिशा-निर्देश संबंधी मसौदे में विदेशी संस्थानों के लिए किसी भी तरह के नियमन न होने की बात कही गई थी। वे नियम भी उन पर लागू नहीं होंगे, जिनसे हमारे शिक्षण संस्थान बंधे हुए हैं। जाहिर है, उनकी स्वायत्तता हमारे संस्थानों को चोट पहुंचाएगी। ऐसे में, उनको कम से कम 50 प्रतिशत फैकल्टी अपने मुख्य परिसर से लाना अनिवार्य किया जाना चाहिए, जिनके लिए यहां रहकर पढ़ाना आवश्यक बनाया जाए।

सवाल यह भी है कि कितने विदेशी विश्वविद्यालय भारत का रुख करेंगे? बोस्टन कॉलेज के पूर्व प्रोफेसर व भारत की उच्च शिक्षा पर शोध करने वाले अंतरराष्ट्रीय स्तर के शिक्षाविद फिलिप ऑल्टबैक का मानना है कि ऐसा शायद ही हो सकेगा। उनका कहना है कि नामचीन विदेशी विश्वविद्यालय भारत जैसे देशों में अपना परिसर नहीं बनाएंगे, क्योंकि उन्होंने अपने मूल देश से इतर कहीं और कैंपस नहीं खोले हैं। पिछले पांच दशकों में चंद अमेरिकी या यूरोपीय विश्वविद्यालयों ने अपने परिसर बाहर तभी खोले हैं, जब उनको बनी-बनाई इमारत जैसी कई तरह की रियायतें मिलीं। सिंगापुर, संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों में इन विश्वविद्यालयों के पहुंचने की यही मूल वजह थी। चीन ने तो 'कम ऐंड बिल्ड योर कंट्री' (आइए और अपने देश को बनाइए) जैसे अभियान चलाकर अनिवासी प्रोफेसरों को कई तरह की अतिरिक्त सुविधाएं देकर वापस मुल्क लौटने की पेशकश की थी, जिसका पर्याप्त लाभ उसे मिला। भारत इन सबसे अभी कोसों दूर है। हमारे कई प्रोफेसर विदेश के अनेक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में पढ़ा रहे हैं, लेकिन उनको वापस बुलाने की कोई गंभीर कोशिश हमने अब तक नहीं की है।

हकीकत यही है कि शिक्षा के क्षेत्र में हमारी स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। तमाम तरह की समितियों द्वारा छह फीसदी खर्च करने की सिफारिश के बावजूद हम अपनी राष्ट्रीय आय का बमुश्किल तीन फीसदी शिक्षा पर खर्च कर पा रहे हैं। आज देश के कुल उच्च शिक्षण संस्थानों में 75 फीसदी निजी हाथों में हैं। सरकार सार्वजनिक शिक्षा के मद में अपना खर्च लगातार घटा रही है। यह सही प्रवृत्ति नहीं है। उच्च शिक्षा किसी भी देश के समग्र विकास में उल्लेखनीय भूमिका निभाती है। यह आर्थिक विकास की रफ्तार बढ़ाने में भी मददगार है। अपने यहां भी जिन राज्यों में उच्च शिक्षा पर ज्यादा ध्यान दिया गया, उनकी आर्थिक तरक्की कहीं बेहतर है। तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक जैसे राज्य इसके ज्वलंत उदाहरण हैं। इसके विपरीत बिहार, उत्तर प्रदेश जैसे सूबों की खस्ता हालत भी हम देख सकते हैं।

जाहिर है, अपने संस्थानों का भी हमें कायाकल्प करना होगा। शिक्षण संस्थानों के पास इतने संसाधन तो होने चाहिए कि वे अत्याधुनिक तकनीक अपना सकें। जैसे, यदि हर कक्षा में स्मार्ट बोर्ड ही दे दिया जाए, तो पढ़ाने के तरीके में गुणात्मक सुधार आएगा। इससे प्रोफेसरों के काम आसान हो जाएंगे और वे कहीं अधिक सुगमता से पढ़ा सकेंगे। बेहतर यही होगा कि देश की शीर्षस्थ संस्थाओं के साथ साझेदारी करके विदेशी विश्वविद्यालयों को आने की अनुमति दी जाए। बीमा कंपनियों के मामले में साल 2000 में ऐसी ही शर्त रखी गई थी, जो काफी सफल रही थी। मुमकिन है कि इस बार भी दोनों पक्ष इससे फायदे में रहेंगे।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

अगले ओलंपिक में बॉक्सिंग से नई आस बंधाती बेटियां

मनोज चतुर्वेदी, वरिष्ठ खेल पत्रकार

भारतीय मुक्केबाजों ने आईबीए महिला विश्व चैंपियनशिप में जिस तरह की धाक जमाई है, उससे देश में इस खेल को लेकर माहौल बदलने का संकेत मिलता है। भारतीय महिला मुक्केबाजी की 'पोस्टर गर्ल' मानी जाने वाली निकहत जरीन की अगुवाई में भारत का चार स्वर्ण पदक जीतना काफी मायने रखता है। ऐसा नहीं है कि भारत ने पहले कभी चार स्वर्ण पदक नहीं जीते, वह ऐसी सफलता साल 2006 में मैरीकॉम की अगुवाई में हासिल कर चुका है। मगर तब ओलंपिक में महिला मुक्केबाजी नहीं हुआ करती थी। साल 2012 के लंदन ओलंपिक में इसे शामिल किए जाने के बाद से प्रतिस्पर्द्धा बहुत बढ़ गई है, और इस स्थिति में चीन जैसी ताकत को पीछे छोड़ चार स्वर्ण पदक जीतना भारतीय महिला मुक्केबाजों के दबदबे को दर्शाता है।

हम जानते हैं, मुक्केबाज एमसी मैरीकॉम का इस चैंपियनशिप में दबदबा रहा है और उनके नाम छह स्वर्ण सहित आठ पदक हैं। अब उनका दौर लगभग गुजर चुका है। मगर निकहत जरीन ने लगातार दूसरी बार सोना जीतकर मैरीकॉम की जगह भरने का संकेत दिया है। पिछले साल इस्तांबुल विश्व चैंपियनशिप में उन्होंने 52 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण जीता था, पर इस बार ओलंपिक के 50 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण जीता है, जिसका कहीं ज्यादा महत्व है। भारत के लिए तीन अन्य स्वर्ण पदक जीतने वाली नीतू घनघस, स्वीटी बूरा और टोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता लवलीना हैं।

लंदन ओलंपिक में महिला बॉक्सिंग को शामिल किए जाने के समय मैरीकॉम ने कांस्य जीता था, पर चार साल बाद रियो ओलंपिक में भारतीय महिला मुक्केबाजों को कोई सफलता नहीं मिली। 2021 में टोक्यो ओलंपिक में लवलीना ने कांस्य जीतकर नाक कटने से जरूर बचाई थी, पर प्रदर्शन को प्रभावी नहीं माना गया था। अब

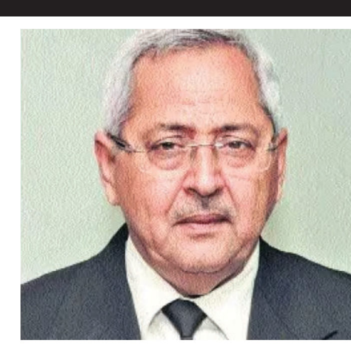

भारतीय मुक्केबाजी की तस्वीर बदलती दिख रही है। इसका पहला संकेत इस साल फरवरी में देखने को मिला, जब भारत आईबीए विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर आ गया। अभी कुछ साल पहले तक हम 44वें स्थान पर हुआ करते थे। यह बदलाव मुक्केबाजों को सही प्रशिक्षण के साथ-साथ विदेशी दौरों पर लगातार भेजे जाने से हासिल अनुभव का परिणाम है।

निकहत जरीन को छोड़ दें, तो बाकी तीनों स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय मुक्केबाज लवलीना, नीतू और स्वीटी ग्रामीण पृष्ठभूमि और अत्यंत साधारण परिवारों से आती हैं। निकहत जरूर मध्यम वर्गीय परिवार की हैं, लेकिन इन सभी को उचित प्रशिक्षण पाने के लिए काफी पापड़ बेलने पड़े। असम के गोलाघाट की लवलीना के पिता तो महज 1,300 रुपये प्रतिमाह कमाया करते थे। इन महिला खिलाड़ियों की समस्या यही नहीं है, उन्हें बॉक्सिंग जैसी खेल विधा को अपनाने के लिए भी तमाम लोगों से उलाहने सुनने पड़ते हैं।

भारत में इस तरह की पृष्ठभूमि से ताल्लुक रखने वाली ज्यादातर खिलाड़ी अपने जज्बे की बदौलत ही मुकाम पाते हैं। हमारे यहां तो सही जानकारी का इतना अभाव है कि कई बार खिलाड़ियों को यह तक पता नहीं होता कि वह किस खेल को अपनाएं? निकहत पहले प्रिंटर थीं, बाद में बॉक्सिंग में आईं। यही स्थिति लवलीना की भी है, वह भी किक बॉक्सिंग में खेलती थीं, पर बाद में साई कोच की सलाह पर बॉक्सिंग में आईं। आज ओलंपिक खेलों में पांच-छह पदक जीत लेने पर ही 140 करोड़ की आबादी में खुशी की लहर दौड़ जाती है, जबकि छोटी-छोटी आबादी वाले देश हमसे बेहतर प्रदर्शन करते हैं। हम मामूली सुधार से सम्मानजनक मात्रा में पदक जीत सकते हैं।

भारत में सही मायने में बॉक्सिंग को लेकर माहौल 2008 के बीजिंग ओलंपिक में विजेंदर सिंह के कांस्य पदक जीतने से बना। बाद में मैरीकॉम से उम्मीद लगाई गई कि वह देश को जरूर स्वर्ण दिलाएंगी, लेकिन वह टोक्यो ओलंपिक में सफल न हो सकीं। मगर इस विश्व चैंपियनशिप में महिला मुक्केबाजों ने जिस तरह से चार स्वर्ण पदकों पर कब्जा जमाया है, उससे अगले साल पेरिस में होने वाले ओलंपिक खेलों में इस विधा के लिए राष्ट्रगान गाए जाने की उम्मीद बंधती है, क्योंकि ये चारों लड़कियां स्वर्ण पदक जीतने का माद्दा रखती हैं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

सवाल पूछने का हक और जवाब की मर्यादा

विश्वनाथ सचदेव

उस दिन अचानक सोशल मीडिया पर एक 'रील' दिख गयी थी। मुश्किल से एक-दो मिनट की इस रील में प्रधानमंत्री मोदी से कुछ पत्रकार सवाल पूछते दिख रहे थे। पत्रकार सवाल पूछते, प्रधानमंत्री सवाल सुनकर चुपचाप मुंह फेर लेते। यह तो पता नहीं चल पाया, यह वीडियो किस अवसर का था, पर इसमें कुछ अस्पष्ट नहीं था कि प्रधानमंत्री पत्रकारों के सवालों का जवाब नहीं देना चहते थे, या फिर यह भी संभव है कि वे उन सवालों को उत्तर देने लायक नहीं समझ रहे थे। जिस तरह सवाल पूछना पत्रकार का अधिकार है, वैसे ही उत्तर देने, न देने का अधिकार उसे भी है जिससे सवाल पूछा जा रहा है। लेकिन, एक फर्क है दोनों स्थितियों में। यदि किसी नेता से उसके कहे-किये के बारे में कुछ पूछा जा रहा है तो उसका मौन रह जाना कुछ और सवाल भी खड़े कर देता है। उचित तो यही है कि राजनेता पूछे गये सवालों के ईमानदारी से जवाब दें। पर अक्सर ऐसा होता नहीं।

समझदार राजनेता जब चाहते हैं, सवाल टाल जाते हैं। इस तरह टाल जाना भी एक कला है। भले ही कितना भी अनुचित लग रहा हो, सोशल मीडिया वाले उस वीडियो में प्रधानमंत्री का चुप्पी साध लेना इसी कला का एक प्रदर्शन था। पर विपक्ष के एक नेता राहुल गांधी ऐसी कला का प्रदर्शन नहीं कर पाये। एक प्रेस-वार्ता में जब एक पत्रकार ने उनसे एक सवाल पूछा तो उन्होंने जवाब देने के बजाय उस पत्रकार की नीयत पर ही सवाल उठा दिया। उसे सत्तारूढ़ दल का सदस्य या चमचा बताते हुए उसकी 'हवा निकाल दी'। अनावश्यक था राहुल गांधी का इस तरह पत्रकार पर आरोप लगाना या फिर हवा निकाल देने जैसी बात कहना। राहुल गांधी का यह व्यवहार अनुचित भी था, और अप्रिय भी।

राहुल गांधी से यह पूछा गया था कि भाजपा द्वारा उन्हें 'अन्य पिछड़े वर्ग' का शत्रु करार दिये जाने पर उन्हें क्या कहना है। पत्रकार ने भाजपा के हवाले से यह बात पूछी थी, यह सही है, पर ऐसी किसी बात से इस सवाल का कोई रिश्ता नहीं था कि जवाब देने के बजाय पत्रकार पर किसी राजनीतिक दल का एजेंट होने का आरोप लगाया जाये। और कहा जाये, 'क्यों, हवा निकल गयी (ना)?

नेताओं की ज़ुबान का फिसलना कोई नयी बात नहीं है। कई बार कुछ शब्द निकल जाते हैं मुंह से। पर संभाल भी लेते हैं ऐसी स्थिति को। अपनी ग़लती भी स्वीकार कर लेते हैं। राहुल गांधी भी चाहते तो हंसकर शब्द वापस ले सकते थे। उन्हें यही करना चाहिए था। पर उन्होंने ऐसा नहीं किया। ग़लत था यह। पर उस प्रेस-वार्ता में एक और ग़लत बात भी हुई, अनेक वरिष्ठ पत्रकार थे उस प्रेस-वार्ता में। उन में से किसी ने भी राहुल गांधी से यह नहीं पूछा, या उन्हें नहीं कहा कि उनका यह व्यवहार अनुचित है कि हवा निकाल देने जैसी बात उन जैसे राजनेता के मुंह से शोभा नहीं देती, कि उन्हें अपने कहे पर खेद प्रकट करना चाहिए। आज जब यह लिख रहा हूं तो मुझे लगभग आधी सदी पुरानी एक घटना याद आ रही है। तब मैंने पत्रकारिता में प्रवेश किया ही था। लखनऊ की बात है। प्रखर समाजवादी चिंतक राममनोहर लोहिया की एक प्रेस-वार्ता में मुझे अपने अखबार 'नेशनल हेरल्ड' से भेजा गया था। वहां कुछ ऐसा पूछ लिया था मैंने जिस पर डॉ. लोहिया कुछ भड़क-से गये। देश के वरिष्ठ और सम्माननीय नेता का 'गुस्सा' देखकर मुझ जैसे नये पत्रकार का सहम जाना स्वाभाविक था। मेरे पास में ही स्टेट्समेन के एक वरिष्ठ पत्रकार बैठे थे। मेरा सहमना उन्होंने भी देखा होगा। मेरा बचाव करते हुए उन्होंने लोहिया जी से कहा था, 'नाराज़ क्यों हो रहे हैं लोहिया जी, युवा पत्रकार के सवाल का जवाब दीजिए न?' डॉ. लोहिया तत्काल नरम पड़ गये थे। मुस्कराने लगे। और बड़े इत्मीनान से उन्होंने पूछे गये सवाल का जवाब दिया।

मैं सोच रहा हूं, राहुल गांधी की प्रेस-वार्ता में किसी पत्रकार ने उनसे क्यों नहीं कहा कि उनकी बात, उनका व्यवहार उचित नहीं है? भाजपा वाले भले ही कुछ कहते रहें, पर अब राहुल गांधी परिपक्व नेता हो चुके हैं, भारत-जोड़ो यात्रा के दौरान उन्होंने अपना क्षमता कई बार प्रमाणित की है। उक्त प्रेस-वार्ता में यदि कोई पत्रकार उन्हें संकेत देता तो शायद वे हवा निकालने जैसी बात कहने पर खेद भी व्यक्त करते।

सुना है, अब कुछ पत्रकार संगठनों ने, जिनमें मुंबई प्रेस क्लब भी शामिल है, राहुल गांधी के व्यवहार पर सवाल उठाया है। जनता का अधिकार है उनसे यह पूछने का कि ओबीसी-विरोधी होने के आरोप के बारे में उन्हें क्या कहना है। वैसे भी, राजनीतिक नफे-नुकसान की दृष्टि से उन्हें यह बात स्पष्ट करनी ही चाहिए। यह पहली बार नहीं है जब भाजपा के नेताओं ने कुछ शब्दों का राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश की है और फायदा उठाया भी है।

बहरहाल, यह मुद्दा कुछ गलत शब्द बोलने न बोलने तक ही सीमित नहीं है। मुद्दा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का भी है, और जनतंत्र में स्वतंत्र मीडिया की भूमिका का भी। समाचारपत्र या मीडिया जनतंत्र के चौकीदार हैं, वे सत्ता-संरचना का हिस्सा बनकर नहीं रह सकते। सवाल पूछना मीडिया का दायित्व है, भले ही सत्ता-प्रतिष्ठान या राजनीति से जुड़े लोगों के लिए सवाल कितना भी असहज करने वाला क्यों न हो। हो सकता है कि मीडिया में भी कुछ तत्व ऐसे हों जो सवाल पूछने के अपने कर्तव्य और अधिकार का ग़लत लाभ उठाना चाहें, पर ईमानदारी से अपना कर्तव्य निभाने वालों को इस बारे में सतत जागरूक रहना होगा कि उनकी स्वतंत्रता और अधिकारों का हनन कोई न करे। राजनेताओं का कुछ भी बोल देना, अथवा अवमाननापूर्ण चुप्पी साध लेना, जनतंत्र के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक ही नहीं, जनतांत्रिक मूल्यों का अपमान करना भी है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

महापौर बाकलीवाल ने पेश किया दुर्ग निगम का बजट, कहा- जनकल्याणकारी बजट से जनता की पूरी होगी उम्मीद

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम का बजट पेश करने महापौर धीरज बाकलीवाल बीआईटी कॉलेज के मैकेनिकल कान्फ्रेंस हॉल पहुंच गए हैं। महापौर धीरज बाकलीवाल ने गोबर से बना ब्रीफकेस लेकर बजट पेश करने पहुंचे हैं। इस दौरान उनके साथ एमआईसी सदस्यगण व पार्षद नजर आए। वर्मा, समान्य सभा मे मौजूद सभापति राजेश यादव,आयुक्त लोकेश चन्द्राकर, नेता प्रतिपक्ष अजय वर्मा सहित एमआईसी सदस्यगण एवं समस्य पार्षदगण सहित,अधिकारी व कर्मचारीगण व जन मान्यगण मौजूद रहें। इस बजट से दुर्ग निगम के लोगों सहित सभी को मिली कई सौगाते। छत्तीसगढ़ का बजट भी मुख्यमंत्री भूपेश बघेल इसी तरह के ब्रीफकेस में लेकर विधानसभा पहुंचे थे। जिसकी चर्चा पूरे देश मे थी। मुख्य-मुख्य विषय वस्तु एवं उस पर प्रावधानित बजट में बताया कि प्रमुख मार्ग, नाली एवं एसएलआरएम सेंटर निर्माण 08 करोड़, प्रमुख मार्ग चौड़ीकरण एवं चौराहो का सौंदर्यीकरण 37 करोड़ ज़ डब्लूएमएम, डामरीकरण एवं सीसी रोड निर्माण 14 करोड़,मुख्य मार्गो निर्माण व उन्नयन कार्य 10 करोड़,प्रमुख चौराहो, मार्ग व अन्य स्थानों पर शेड निर्माण 12 करोड़,नाली एवं पुलिया निर्माण 9 करोड़,गिरधारी नाला कव्हर्ड एवं सड़क चौड़ीकरण कार्य 50 लाख,शंकर नाला सुदृढ़ीकरण 6 करोड़, मोबाईल टॉयलेट निर्माण 10 लाख,ठोस अपशिष्ट लेगेसी वेस्ट कचरा प्रबंधन 5 करोड़,सड़क, नाली, पुलिया व निगम संपत्तियों का संधारण 5 करोड़ ज़ मुख्य कार्यालय व निगम स्वामित्व भवनों का संधारण 1 करोड़,मांगलिक परिसर निर्माण 50 लाख, इंदिरा मार्केट जीर्णोद्धार व शीतला मार्केट शेड संधारण 230 लाख,गंजपारा शास्त्री स्कूल परिसर शॉपिंग काम्पलेक्स निर्माण 2 करोड़, गोकुल नगर निर्माण 50 लाख, गोधन न्याय योजना 75 लाख, मुक्तिधाम, कब्रिस्तान निर्माण व उन्नयन 2 करोड़, तालाबों का सौंदर्यीकरण 4 करोड़, ठगड़ा बांध सौंदर्यीकरण 7 करोड़,प्रधानमंत्री आवास योजना 25 करोड़, खेल मैदान, स्टेडियम, स्पोर्ट्स कोर्ट निर्माण 10 करोड़, शिवनाथ नदी रिवर फ्रंट विकास 10 करोड़, शंकर नाला, केलाबाड़ी नाला सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट निर्माण 1 करोड़,शहरी स्वास्थ्य केंद्र निर्माण 1 करोड,सार्वजनिक स्थानों में फ्री वाई-फाई 10 लाख सुविधा प्रावधानित किया गया है।

महापौर धीरज बाकलीवाल ने इन पंक्तियो के साथ समर्पित किया कौन कहता है बिदाई होगी,ये अफवाह किसी गैर ने उड़ाई होगी,रहेंगे हम भी दिलो में आपके कुछ जगह हमने भी तो बनाई होगी,महापौर धीरज बाकलीवाल ने बजट भाषण में कहा हमारे आग्रह पर नगर निगम दुर्ग के हमारे समस्त पार्षदगण, एल्डरमेन, अधिकारी, कर्मचारियों एवं दुर्ग शहर के पत्रकार बंधुओं को स्वास्थ्य लाभ हेतु दुर्ग शहर के 10 हॉस्पिटल, नर्सिंग होग, क्लीनिक एवं डायग्नोस्टिक सेंटर को चिन्हांकित कर 50त्न छूट के साथ चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

खास खबर

तहसील कार्यालय परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा का हुआ अनावरण

राजनांदगांव। कलेक्टर डोमन सिंह ने तहसील कार्यालय परिसर राजनांदगांव में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण किया। कलेक्टर के परिकल्पना से जिले के सभी तहसील कार्यालय में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा स्थापित की जा रही है। इस परिकल्पना को मूर्त रूप देते हुए तहसील कार्यालय परिसर राजनांदगांव में महात्मा गांधी जी की प्रतिमा स्थापित की गई। महात्मा गांधी जी की मूर्ति अनावरण के साथ ही तहसील कार्यालय में गार्डन का भी उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अमित कुमार, अपर कलेक्अर श्री सीएल मारकण्डेय, एसडीएम श्री अरूण वर्मा, डिप्टी कलेक्टर श्री खेमलाल वर्मा, प्रतिमा ठाकरे व सरस्वती बंजारे, जिला परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्रीमती गुरप्रीत कौर, श्रम अधिकारी श्री प्रधान, तहसीलदार प्रफुल्ल गुप्ता, प्रियंका देवांगन, नायब तहसीलदार सुरेखा, सुश्री देविका सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

ईडी भाजपा की मोर्चा, संगठन बन गयी है - कांग्रेस

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पड़ रहे ईडी के छापे भाजपा की राजनैतिक साजिश का नतीजा है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा राज्य में कांग्रेस सरकार का राजनैतिक रूप से मुकाबला नही कर पा रही है तो वह केंद्रीय जांच एजेंसियों के माध्यम से राज्य की राजनीति, औद्योगिक और व्यापारिक माहौल को खराब करने का षड्यंत्र कर रही है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा प्रति एकड़ धान खरीदी की सीमा 20 क्विंटल किये जाने और युवाओं को बेरोजगारी भत्ता दिए जाने के निर्णय से भाजपा बौखला गयी है। कांग्रेस सरकार के चार साल के जनकल्याणकारी कामों का मुकाबला करने के लिए भी भाजपा के पास कुछ नही है। छत्तीसगढ़ में राजनैतिक रूप से रसातल में पहुंच चुकी, भाजपा सोच रही है कि वह जांच एजेंसियों के बल पर राज्य में अपने वजूद को बचा लेगी। कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि राज्य में पड़ रहे इडी के छापे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की बढ़ रही लोकप्रियता और देशव्यापी स्वीकार्यता के कारण भाजपा के अंदर समाए हुए डर के कारण भी हैं। चार साल में कांग्रेस सरकार के ऊपर 4 रु. का भी प्रमाणिक भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगा पाने वाली भाजपा राज्य सरकार की छवि खराब करने कांग्रेस पदाधिकारियों, अधिकारियों, व्यापारियों को टारगेट कर रही है।

किसान मेला आयोजन का मुख्य उद्देश्य जैविक खेती, उपज और सही उन्नत कृषि की जानकारी देना : मंत्री अकबर

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। जिले के अंतिम छोर में बसे सुदूर वनांचल बैगा बाहुल क्षेत्र बोड़ला विकासखंड के ग्राम झलमला में उस क्षेत्र के किसानों को जैविक खेती, उपज और उन्हें सही उन्नत कृषि की जानकारी देने जिला स्तरीय किसान मेला का आयोजन किया गया। प्रदेश के वन, परिवहन, आवास एवं पर्यावरण मंत्री और कवर्धा विधायक श्री मोहम्मद अकबर जिला स्तरीय किसान मेला में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। मंत्री श्री अकबर ने छत्तीसगढ़ महतारी की छायाचित्र पर पूजा अर्चना और राजगीत के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की।

केबिनेट मंत्री श्री अकबर ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा की जिला स्तरीय कृषि मेला आयोजन का मुख्य उद्देश्य कृषि के क्षेत्र में उन्नत तरीकों सहित ग्रामीण जन जीवन के विकास की जानकारी देना, ताकि किसान अधिक से अधिक लाभ अर्जित कर सकें। सभी किसानों को इसका लाभ लेना चाहिए। इस दौरान मंत्री श्री अकबर ने बोड़ला जलग्रहण परियोजना अंतर्गत 28 जलग्रहण निर्माण के लिए 1 करोड़ 43 लाख 55 हजार के विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने 4 चेकडेम, 2 स्टाप डेम, 16 कुआं और 6 डबरी निर्माण कार्य की घोषणा की। इस दौरान मंत्री श्री अकबर ने बोड़ला जल परियोजना अंतर्गत 8 जल ग्रहण समितियों में 8 सचिव को संविदा पद पर नियुक्ति पत्र प्रदान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जनपद पंचायत अध्यक्ष बोड़ला श्रीमती अमिता प्रभाती मरकाम ने की।

केबिनेट मंत्री श्री अकबर ने कार्यक्रम में जलग्रहण परियोजना योजनांतर्गत 44 हितग्राहियों को 1.5 एच पी के विद्युत पंप, 11 हितग्राहियों को 3 एचपी के डीजल पंप, आजीविका अंतर्गत 10 स्व सहायता समूह को विभिन्न कार्यों के लिए 2 लाख 80 हजार रूपए का चक्रीय राशि और जिला खनिज न्यास अंतर्गत 10 हितग्राहियों को 2 एचपी के सिंचाई पंप प्रदान किया। उन्होंने एक्सटेंशन रीफर्मा आत्म योजना के तहत जिले में कृषि के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 10 किसानों को प्रशस्ति पत्र और प्रोत्साहन राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया। 1 हजार कृषको को 1 हजार लीटर गौ मूत्र से निर्मित जैविक कीटनाशक ब्रम्हात्र का नि:शुल्क वितरण किया गया।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत 5 किसानों को बीमा राशि का भुगतान प्रमाण पत्र, किसानों को उन्नत उड़द बीज का मिनी कीट और जय मां संतोषी स्व सहायता समूह झलमला को जैविक कीटनाशक और वर्मी खाद का उपयोग कर जैविक साग सब्जी उत्पादन के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। इस दौरान मंत्री श्री अकबर ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाये गये स्टॉल में प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

केबिनेट मंत्री श्री अकबर ने कहा कि जिला स्तरीय किसान मेला में विभिन्न विभागों के प्रदर्शनीय द्वारा किसानों के हित में संचालित योजनाओं को प्रदर्शित किया गया है। साथ ही इसके बारे में जानकारी दी जा रही है जिसमे सभी किसानों को इसका लाभ लेना चाहिए। उन्होंने कहा की शासन की सभी योजनाएं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए है। गांव के निवासियों के लिए योजना संचालित की जा रही है। जब गांव के निवासी आर्थिक रूप से सशक्त होंगे तो ग्रामीण अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगा। कैबिनेट मंत्री श्री अकबर ने अपने विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल नेतृत्व वाली में राज्य सरकार की सफ्लता एवं गौरवशाली 4वर्ष में हुए विकासमूलक कार्यों और योजनाओं की विस्तार से लोगों को जानकारी दी। केबिनेट मंत्री अकबर ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री बघेल के नेतृत्व में सरकार के गठन के साथ ही किसानों से संबंधित मुद्दे सर्वोपरि रहे हैं, सर्वप्रथम कृषि ऋणों की माफी की गई किसानों के लगभग 11 हजार करोड़ रूपए की ऋण माफी किया गया। प्रदेश के भूमिहीन श्रमिकों के आर्थिक विकास के लिए राजीव गांधी भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना बनाई गई है। इस योजना के तहत भूमिहीन श्रमिक मजदूरों के बैंक खातों में सीधे राशि का भुगतान किया गया है। गौ पालको, किसानों और नागरिकों के आय को बढ़ाने के लिए गोधन न्याय

राज्यपाल हरिचंदन ने रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा सुसज्जित जिला अस्पताल के तीन वार्डों का किया लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन आज बिलासपुर में अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय परिसर में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। राज्यपाल ने इस अवसर पर भारतीय रेडक्रास सोसायटी बिलासपुर द्वारा सुसज्जित जिला अस्पताल के तीन वार्ड एचडीयू, चिल्ड्रन वार्ड और एनआरसी का लोकार्पण किया। राज्यपाल हरिचंदन को कलेक्टर सौरभ कुमार ने बिलासपुर जिले का राज्य अंशदान के लगभग 1 लाख 95 हजार रूपए का चेक प्रदान किया। राज्यपाल ने रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा स्वास्थ्य एवं सामाजिक क्षेत्रों में किये जा रहे कार्यों की सराहना की।

राज्यपाल ने वर्ष 2023 में सर्वश्रेष्ठ जन औषधि केन्द्र का पुरस्कार मिलने पर जन औषधि केन्द्र सिम्स के कर्मचारियों, टीबी के मरीज को गोद लेने वाले निक्षय मित्रों एवं पांच स्वैच्छिक रक्तदाताओं को भी सम्मानित किया। राज्यपाल ने भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा लगाए गये स्वास्थ्य शिविर एवं रक्तदान शिविर का भी अवलोकन किया। उल्लेखनीय है कि बिलासपुर जिला अस्पताल के एचडीयू, चिल्ड्रन वार्ड और एनआरसी वार्ड को भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा गोद लेकर उन्हें इस प्रकार सुसज्जित किया गया है जिससे वहां इलाज के लिए भर्ती बच्चों को वहां अपने घर के जैसा माहौल मिल सके। सोसायटी द्वारा तीनों वार्ड में ए.सी. और स्मार्ट टीव्ही लगाया गया है। अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय के कुलपति ए.डी.एन. वाजपेयी, भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष अशोक अग्रवाल, कलेक्टर एवं रेडक्रॉस सोसायटी बिलासपुर के अध्यक्ष सौरभ कुमार उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री के मंशानुरूप बालोद में मिलेट कैफे का संचालन शुरू

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद ।मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मंशानुरूप जिले में मिलेट के उपभोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मिलेट कैफे का संचालन शुरू किया गया है। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती अनिला भेंड़िया ने सोमवार 27 फरवरी संध्या जिला मुख्यालय बालोद में दूध गंगा के समीप मिलेट कैफे का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर विधायक श्रीमती संगीता सिन्हा, नगर पालिका परिषद बालोद के अध्यक्ष श्री विकास चोपड़ा उपस्थित थे। उन्होंने इस दौरान कोदो, कुटकी एवं रागी से बने विभिन्न व्यंजनों व केक का स्वाद लिया और व्यंजनों के गुणवत्ता की प्रशंसा की। इस दौरान श्रीमती भेंड़िया ने मिलेट कैफे का संचालन कर रही स्वसहायता समूह की महिलाओं को मिलेट कैफे के शुभारंभ की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस मिलेट कैफे में कोदो, कुटकी, रागी तथा अन्य लघु धान्य फसलों से निर्मित विविध व्यंजन-इडली, दोसा, पोहा, उपमा, भजिया, खीर, हलवा, माल्ट, कुकीज आदि आम जनता के लिए उपलब्ध रहेंगे।

इस अवसर पर कलेक्टर कुलदीप शर्मा, पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र कुमार यादव, जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. रेणुका श्रीवास्तव, एडीएम श्रीमती इंदिरा तोमर सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे

अतिशीघ्र आवश्यकता है

एक प्लॉट सेल करने पर 9-10 प्रतिशत तक का ब्रोकरेज
अनुभविकओं के लिए अतिशीघ्र आवश्यकता है...
रियल स्टेट कंपनी में काम किए हुए
अनुभविक एवं फ्रेशर लड़के
एवं लड़कियों की सेल्स एंड मार्केटिंग के लिए...
पार्ट टाइम और फुल टाइम जॉब
सैलरी :-7000-10000/- योग्यता के अनुसार
संपर्क करें : 9109132445
लोकेशनः- भिलाई दुर्ग चरोदा

आंखों का ऑपरेशन करवाकर जैन समाज ने 21 परिवारों की जिंदगी में भरे खुशियों के रंग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भगवान महावीर के जन्मकल्याणक के अवसर पर जैन समाज ने मंगलवार को नेत्र ऑपरेशन शिविर का आयोजन किया। विमल महिला मंडल भैरव सोसाइटी की ओर से आयोजित इस शिविर में दिनभर में 21 लोगों की आंखों का ऑपरेशन किया गया।

महिला मंडल की अध्यक्ष सुनीता दुग्गड़ और सचिव शीतल भंडारी ने बताया कि शिविर में 21 लोगों के नेत्र ऑपरेशन कर न? केवल उनकी आंखों का इलाज किया गया, बल्कि उनके परिवारों की जिंदगियां भी रोशन की गईं। इससे पहले सुबह 10 बजे श्री दिगंबर जैन आदिश्वर महिला मंडल नेऐ बेबी किड्स वस्त्र वितरण का आयोजन किया। इसके तहत डीकेएस अस्पताल में 100 से ज्यादा नवजातों में जरूरी कपड़ें, दवाइयां आदि बांटी गईं। वहीं वर्धमान महिला व बहु मंडल ने दोपहर 2 बजे न्यू राजेंद्र नगर स्थित वर्धमान जिनालय में बेस्ट ऑफ बेस्ट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके तहत धर्म संबंधी जानकारियों का प्रचार करने के लिए धार्मिक प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई। सरिता पारख और दीपिका डागा ने बताया कि प्रश्नोत्तरी में 40 से ज्यादा लोगों ने हिस्सा लिया। सभी को इनाम देकर पुरस्कृत किया गया। इधर, लाभांडी स्थित शांति नगर बिल्डिंग में भंडारे का आयोजन भी किया गया था। इसके लाभार्थी विनोद जी बड़जात्या परिवार रहे। यहां सैकड़ों भक्तों ने भगवान की प्रसादी ग्रहण की।

आवश्यकता है

लड़के एवं लड़कियों की
वेतन चार अंकों में
भिलाई मसाला उद्योग
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

BIG BRAND
Premium Store
30% Off
70001 78467
70008 73376
Near KPS school ,
Nehru Nagar ,Bhilai

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

CONTACT
Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

प्रवेश उत्सव में मिलेगी स्कूली बच्चों को निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें

रायपुर। छत्तीसगढ़ के स्कूली बच्चों को निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों का वितरण शाला प्रवेश उत्सव के दिन से शुरू हो जाएगा। इस संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा सभी जिलों में 16 जून को शाला प्रवेश उत्सव मनाने के निर्देश दिए गए है। शाला प्रवेश उत्सव में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों का स्वागत तिलक लगाकर किया जाएगा। साथ ही उन्हें निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें भी वितरित की जाएगी।

प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा डॉ. आलोक शुक्ला ने कहा है कि निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों के वितरण के लिए समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। इस कार्य में पाठ्य पुस्तक निगम के साथ ही समग्र शिक्षा अभियान और लोक शिक्षण संचालनालय के अधिकारी समन्वय बनाकर कार्य करें। डॉ. शुक्ला ने यह भी कहा है कि मुद्रण से संबंधित सभी औपचारिकताएं पूर्ण कर ली जाए। पुस्तकों का भण्डारण सुरक्षित ढंग से किया जाए।

पाठ्यपुस्तक निगम द्वारा शासकीय और अनुदान प्राप्त शालाओं के कक्षा पहली से आठवीं तक के विद्यार्थियों के लिए संकुल स्तर, कक्षा 9वीं-10वीं के विद्यार्थियों के लिए हाई स्कूल और हायर सेकेण्डरी स्तर, पंजीकृत मदरसों में कक्षा पहली से 8वीं तक के विद्यार्थियों के लिए विकासखण्ड स्तर और गैर अनुदान प्राप्त अशासकीय शालाओं के विद्यार्थियों के लिए सीधे निगम के डिपो स्तर पर पाठ्यपुस्तकों के परिवहन के लिए जरूरी वाहनों का निर्धारण यथा समय पूर्व सुनिश्चित कर लिया जाए। पाठ्यपुस्तक निगम द्वारा पाठ्यपुस्तकों के परिवहन के लिए आवश्यक रूट चार्ट-जिलावार, संकुलवार या संस्थावार, तिथिवार तैयार कर इसकी सूचना सर्वसंबंधित नोडल अधिकारियों-संभागीय संयुक्त संचालकों, जिला शिक्षा अधिकारियों, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों, संकुल प्रभारियों और डिपो मैनेजर आदि को समय पूर्व दी जाए, ताकि उत्तरदायी कर्मचारी समय पर पाठ्यपुस्तकें प्राप्त करने तैयार रहें तथा परिवहन और अनलोडिंग कार्य में भी अनावश्यक बाधा उत्पन्न न हो। सभी संकुल समन्वय तथा प्राचार्य हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी द्वारा अपने कार्य क्षेत्र के अंतर्गत वितरण होने वाली आवश्यक पाठ्यपुस्तकों की सुव्यवस्थित अनलोडिंग के रख-रखाव के लिए पर्याप्त भवन, स्थान निर्धारण का कार्य पूर्व से ही पूर्ण कर लिया जाए।

मुख्यमंत्री दाई-दीदी क्लीनिकः डेढ़ लाख से अधिक महिलाओं का हुआ निःशुल्क इलाज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री दाई-दीदी मोबाइल क्लीनिकों के माध्यम से अब तक करीब 2036 कैम्प लगाएं जा चुके हैं। दाई-दीदी क्लीनिक के माध्यम से रायपुर, बिलासपुर एवं भिलाई नगर निगम क्षेत्र की झुग्गी बहुल बस्तियों में रहने वाली 1 लाख 52 हजार 361 महिलाओं एवं बालिकाओं का उनके घर के पास ही दाई-दीदी क्लीनिक कैंप के माध्यम से इलाज किया गया है।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा मुख्यमंत्री दाई-दीदी क्लिनिक योजना संचालित की जा रही है। योजना के तहत मोबाइल मेडिकल यूनिट के वाहन में महिला चिकित्सकों और महिला स्टॉफ की टीम पहुंचती है तथा जरूरतमंद महिलाओं एवं बालिकाओं की विभिन्न बीमारियों का निःशुल्क जांच एवं इलाज करती है।

इन मोबाइल मेडिकल यूनिट के द्वारा 29 हजार 397 महिलाओं का लैब टेस्ट किया गया तथा 1 लाख 44 हजार 838 महिलाओं को निःशुल्क दवाईयां दी गई। पहले गरीब स्लम क्षेत्र में रहने वाली तथा मेहनत मजदूरी करने वाली ऐसी महिलाएं जो समयाभाव या अन्य कई कारणों से अपना इलाज नहीं करा पा रही थी परन्तु अब दाई-दीदी क्लीनिक से उन्हें इलाज की सुविधा घर के पास ही महिला चिकित्सकों और चिकित्सा स्टाफ के माध्यम से मिल रही है और वे अपना इलाज बिना संकोच के महिला स्टॉफ के माध्यम से करा पा रही है।

कलेक्टर ने दी सुविधाः भत्ते के लिए रायपुर जिले के बेरोजगारों का सीएससी में भी होगा पंजीयन

समय सीमा की बैठक में तैयारियों की हुई समीक्षा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की घोषणा के बाद रायपुर जिले में बेरोजगारी भत्ता के लिए पात्र युवाओं के पंजीयन 1 अप्रैल से शुरू हो जाएंगें। कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर भुरे ने समय सीमा की साप्ताहिक बैठक में बेरोजगारी भत्ता पंजीयन के लिए अबतक हुई तैयारियों की समीक्षा की।

उन्होंने जिले के सभी च्वाईस सेंटरों और सीएससी में भी बेरोजगारों का पंजीयन करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। बेरोजगारी भत्ता पाने के लिए पात्र युवा वेबसाईट berojgaribhatta.cg.nic.in पर ऑनलाईन पंजीयन आवेदन भर सकते है। इसके साथ ही बेरोजगार युवाओं की सुविधा के लिए रायपुर नगर निगम क्षेत्र में हर जोन कार्यालय में हेल्प डेस्क भी बनाए जा रहें है। बीरगांव नगर निगम क्षेत्र में तीन और जिले के अन्य सभी नगरीय निकाय क्षेत्रों में भी एक-एक हेल्प डेस्क में बेरोजगारों को भत्ते के लिए पंजीयन की सुविधा होगी। सीएससी और च्वाईस सेंटरों में निर्धारित सेवा शुल्क के साथ पंजीयन की सुविधा मिलेगी। बेरोजगारी भत्ते के लिए पंजीयन 1 अप्रैल सुबह 8 बजे से शुरू हो जाएगा। कलेक्टर डॉ भुरे ने इसके लिए सभी तैयारियां अगले 2 दिनो में पुरे करने के निर्देश अधिकारियों को दिए है। बेरोजगारी भत्ते के पंजीयन के लिए अभी तक कोई अंतिम तिथि निर्धारित नही है। कलेक्टर ने बेरोजगारी भत्ता पंजीयन को ध्यान में रखते हुए रोजगार कार्यालयों में पंजीयन के नवीनीकरण, राजस्व कार्यालयों में आय-निवास प्रमाण पत्र जारी करने के लिए सभी जरूरी मापदण्ड और शासकीय दिशा निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए है। बैठक में नगर निगम रायपुर के आयुक्त मयंक चतुर्वेदी, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी आकाश छिकारा, सहायक कलेक्टर जयंत नहाटा, अपर कलेक्टर बी.बी.पंचभाई, गजेन्द्र ठाकुर एवं बी.सी.साहू एवं सभी एस.डी.एम तथा विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

आर्थिक सामाजिक जनगणना की तैयारियों की भी हुई समीक्षा

समय सीमा की बैठक में कलेक्टर डॉ भुरे ने 1 अप्रैल से ही शुरू हो रही आर्थिक सामाजिक जनगणना के लिए की गई तैयारियों की भी समीक्षा की। इसके लिए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी आकाश छिकारा को नोडल अधिकारी बनाया गया है। कलेक्टर डॉ भुरे ने अर्थिक सामाजिक जनगणना के लिए चारों विकासखण्डों में जनगणना दलों के गठन, उनका प्रशिक्षण आदि की भी जानकारी अधिकारियों से ली। कलेक्टर ने यह भी बताया कि इस जनगणना के दौरान सभी जानकारियां मोबाईल पर संबंधित पोर्टल पर ऑनलाईन दर्ज की जाएं। नेटवर्क ना होने की स्थिति में भी सभी जानकारियां ऑफलाइन दर्ज की जाएं। मोबाईल के नेटवर्क में आते ही जानकारियों को ऑनलाईन किया जाए। कलेक्टर ने यह भी जताया कि मोबाईल में जानकारी दर्ज करने के साथ-साथ भौतिक रूप से कागजी प्रपत्र भी मौके पर ही भरा जाएगा। जिला पंचायत के सीईओ श्री छिकारा ने बताया कि आर्थिक सामाजिक जनगणना के लिए दलों का गठन पूरा कर लिया गया है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास विभाग और राजस्व विभाग के मैदानी अमले को जिम्मेंदारी सौंपी गई है। कलेक्टर ने जनगणना के काम को गंभीरता से पूरा करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

स्कूल मरम्मत के काम अप्रैल माह के अंत तक खत्म करने के निर्देश

कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर भुरे ने समय-सीमा की बैठक में जिले में जर्जर स्कूलों और आश्रम-छात्रावास भवनों की मरम्मत के काम भी जल्द शुरू करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। कलेक्टर ने मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के तहत होने वाले इन कामों के लिए शासन द्वारा बजट आवंटन भी करने की जानकारी अधिकारियों को दी। उन्होंने ऐसे मरम्मत योग्य स्कूलों और आश्रम-छात्रावास भवनों का दो दिनों में चिन्हांकन कर जरूरी प्रक्रिया जल्द से जल्द पूरी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने ऐसे सभी स्कूल छात्रावासों-आश्रमों के मरम्मत के काम नये सत्र शुरू होने के पहले पूरा करने को कहा। उन्होंने ऐसे सभी आश्रम-छात्रावासों और स्कूल भवनों को मरम्मत के बाद गोबर से बने पेंट से पोतवाने के भी निर्देश दिए।

बहुउपयोगी फसल अलसी की खेती के लिए आगे आएं किसानः डॉ. कमलप्रीत सिंह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के कृषि उत्पादन आयुक्त डॉ. कमलप्रीत सिंह ने कहा है कि अलसी फ़सल की उपयोगिता, महत्व, कम लागत एवं ज्यादा मुनाफे को देखते हुए छत्तीसगढ़ सरकार राज्य में इसके उत्पादन को बढ़ावा दे रही है तथा किसानों को अलसी की खेती के लिए प्रेरित कर रही है। उन्होंने कहा कि अलसी एक बहुउपयोगी फसल है, जिससे तेल, कपड़ा तथा अन्य कई उत्पाद निर्मित किये जा सकते हैं।

कृषि उत्पादन आयुक्त ने कहा कि यह फसल मौसम की प्रतिकूलता को सहन करने में सक्षम है तथा कम पानी और अल्प संसाधनों में भी अच्छी उपज देती है। डॉ. सिंह ने किसानों से अलसी की खेती के लिए आगे आने का आव्हान किया। उन्होंने कृषि वैज्ञानिकों से अलसी की अधिक उपज देने वाली डुअल परपस नवीन किस्में विकसित करने का अनुरोध किया। कृषि उत्पादन आयुक्त आज यहां इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय समन्वित अलसी अनुसंधान परियोजना के अंतर्गत आयोजित एक दिवसीय राज्य स्तरीय कृषक संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। समारोह की अध्यक्षता इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने की। इस संगोष्ठी का आयोजन कृषि विज्ञान केन्द्र रायपुर, कोण्डागांव, मैनपाट एवं बेमेतरा के सहयोग से किया गया।

कृषि उत्पादन आयुक्त डॉ. सिंह ने कहा कि अलसी की उपयोगिता तथा गुणों के कारण विगत कुछ वर्षों में इसके उपयोग में इजाफा हुआ है। भारत सरकार द्वारा इसे अखाद्य तेल के रूप में चिन्हित करने के कारण अलसी के तेल का उपयोग पेन्ट एवं वार्निश उद्योग में बड़े पैमाने पर किया जाता है। इसमें प्रचुर मात्रा में ओमेगा-3 फैटी ऐसिड होने के कारण आज-कल इसका उपयोग हृदय रोगों की रोक-थाम के लिए भी किया जा रहा है। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा अलसी के डंठलों से लिनेन कपड़ा तैयार करने की तकनीक विकसित की गई है, जिससे इसका दोहरा उपयोग हो रहा है। उन्होंने कृषक संगोष्ठी में उपस्थित किसानों से कहा कि वे अलसी के गुणों तथा महत्व एवं इससे होने वाली आय को देखते हुए अलसी की खेती के आगे आएं तथा अन्य किसानों को भी प्रेरित करें।

इस अवसर पर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में काफी लम्बे समय से अलसी के तेल का उपयोग किया जाता रहा है तथा यहां के किसान अलसी की फसल को प्रमुखता के साथ उगाते रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश के कुल अलसी उत्पादन का लगभग 10 प्रतिशत उत्पादन तथा रकबा छत्तीसगढ़ में है। उन्होंने कहा कि देश भर में अलसी बीजों की आवश्यकता का 40 प्रतिशत हिस्से की आपूर्ति छत्तीसगढ़ कर रहा है। डॉ. चंदेल ने कहा कि अलसी से तेल के अलावा कपड़ा, मुखवास, लड्डू, चटनी तथा अन्य कई उत्पाद निर्मित किये जा रहे हैं। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित कृषि महाविद्यालय, बेमेतरा द्वारा अलसी के डंठलों से लिनेन कपड़ा निर्मित करने की तकनीक विकसित की गई है, जिसका प्रशिक्षण वहां के कृषक समूह तथा स्व-सहायता समूहों को भी दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा कृषि समूहों तथा स्व-सहायता समूहों को अलसी का प्रसंस्करण तथा मूलयसंवर्धन कर विभिन्न उत्पाद तैयार करने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

पोषण पखवाड़ाः जंक फूड की जगह 'मिलेट्स' को दैनिक जीवन में अपनाएं युवा

युवाओं में पोषण जागरूकता के लिए राज्य स्तरीय वेबीनार का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पोषण पखवाड़े के अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आज यूनिसेफ के सहयोग से युवाओं में पोषण जागरूकता के लिए राज्य स्तरीय वेबीनार का आयोजन किया गया। वेबीनार के माध्यम से युवाओं को मिलेट्स के फायदे समझाते हुए उन्हें दैनिक जीवन में मिलेट्स को शामिल करने के लिए प्रेरित किया गया। वेबीनार से फेसबुक लाइव के माध्यम से नेहरू युवा केन्द्र, भारत स्काउट-गाइड, एनएसएस, यूनिसेफ सहित विभागीय अमले सहित बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया।

महिला एवं बाल विकास विभाग के नोडल अधिकारी जीएस मरावी ने बताया कि 20 मार्च से महिला एवं बाल विकास द्वारा अन्य विभागों के सहयोग से पोषण पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इस दौरान लोगों में पोषण जाकरूकता और व्यवहार परिवर्तन के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। विभागीय अधिकारी श्रुति नेरकर ने कहा कि पहले पूर्वज अन्न या मिलेट्स का प्रयोग करत थे। लेकिन बदलते समय में घरों में खानपान की शैली बहुत बदल गई है। मिलेट्स को फिर भोजन में शामिल कर पोषण के सभी फायदे लिये जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि महिला बाल विकास, स्वास्थ्य विभाग कुपोषण से लंबे समय से लड़ाई कर रहा है। बच्चों, महिलाओं, किशोरियों को पोषण आहार और रेडी टू ईट प्रदान किया जा रहा है। लेकिन इसमें विभाग के साथ समाज के हर व्यक्ति की सहभागिता जरूरी है। पोषण संबंधित व्यवहार और खानपान परिवर्तन में युवा बड़ी भूमिका निभा सकते है। मिलेट्स से कई प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजन बनाए जा सकते हैं। युवा जंक फूड को छोड़कर पौष्टिक भोजन और स्वस्थ जीवन शैली अपनाएं और दूसरों को भी प्रेरित करें।

यूनिसेफके न्यूट्रीशन विशेषज्ञ महेन्द्र प्रजापति ने बताया कि मिलेट्स पचने में आसान होते हैं इसलिए बच्चे से लेकर बुजुर्गों तक के लिए उपयोगी हैं। इसमें सारे पौष्टिक तत्व मिल जाते हैं। कम पानी और जमीन में अधिक उपज के कारण यह पर्यावरण के भी अनुकूल है। ये ज्यादा महंगे भी नहीं होते। उन्होंने बताया कि किशोरावस्था में वृद्धि और विकास तेजी से होता है। इस समय संतुलित आहार लेना जरूरी है। आजकल प्रोसेस्ड फूड के दुष्प्रभाव के कारण कुपोषण और मोटापा अधिक देखने को मिल रहा है। उन्होंने बताया कि 2016 से 18 के बीच किये गए न्यूट्रीशन सर्वे के अनुसार बड़ी संख्या में किशोर और किशोरियों में आयरन, विटामिन ए, डी और विटामिन बी-12 की कमी देखी गई। यह भी पाया गया है कि बड़ी संख्या में किशोर नमक, शक्कर और फैट रिच फूड लेते हैं। प्रोसेस्ड फूड या जंक फूड में कैलोरी बहुत ज्यादा होती है और प्रोटीन और फाइबर बहुत कम होते हैं। इसके कारण युवाओं को उचित पोषण नहीं मिल रहा है। मिलेट्स के माध्यम से युवा संतुलित आहार ले सकते हैं, इसमें सभी सूक्ष्म और बड़े पोषक तत्व मिल जाते है।

यूनिसेफ के विशेषज्ञ अभिषेक सिंह ने युवाओं के लिए पोषण और मिलेट्स कोलोकप्रिय बनाने में युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सकारात्मक व्यवहार परिवर्तन को प्रभावित करने के लिए लक्षित समूह को समझना और उनके मिथकों को दूर करना जरूरी है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

सोलो ट्रिप पर जा रहे हैं तो इन जरूरी चीजों को बैग में रखना न भूलें

सोलो ट्रिप यानी एकल यात्रा, जो न सिर्फ आपको खुद से और प्रकृति से जोड़ने में मदद करती है, बल्कि आपको अधिक आत्मविश्वासी और आत्मनिर्भर भी बनाती है। हालांकि, यह यात्रा तभी आसान और मजेदार बन सकती है, जब इसके लिए आपकी तैयारी पूरी हो। आइए आज आपको बताते हैं कि घूमने जाने से पहले ट्रेवलिंग बैग में किन चीजों को रखना बहुत जरूरी है, ताकि आपको कोई दिक्कत न हो।

एक अच्छी गुणवत्ता वाला बैकपैक

अपनी सोलो ट्रिप के लिए बैक पैक खरीदते समय सुनिश्चित करें कि यह न तो बहुत बड़ा हो और न ही बहुत छोटा। इसके साथ ही यह हल्का और आरामदायक होना चाहिए। सॉफ्ट पट्टियों वाले एक कैरी-ऑन बैकपैक में निवेश करें, ताकि नाजुक वस्तुएं सुरक्षित रहें और इसे उठाते समय कंधे पर जोर न पड़े। बैग के अंदर अपनी चीजों को पानी के नुकसान से बचाने के लिए बैग पर रेन-प्रूफ कवर का इस्तेमाल करें।

रियूजेबल पानी की बोतल

सोलो ट्रिप के दौरान एक रियूजेबल पानी की बोतल को ताजे पानी से भरकर अपने पास रखना न भूलें। यह आपको यात्रा के दौरान हाइड्रेट रखने में मदद करेगी। पानी खत्म होने पर आप रास्ते में बोतल को फिर से भर सकते हैं। इसके लिए एक लीक प्रूफ, फिल्टर्ड और हल्की पानी की बोतल खरीदें, जिसका आकार 0.75 लीटर होना चाहिए। इसके अलावा आप अपने पास एक इलेक्ट्रिक कॉफी मग भी रख सकते हैं।

एक मेडिकल किट

जब आप अकेले यात्रा कर रहे हों तो आपात स्थिति के दौरान अपने प्राथमिक उपचार के लिए एक मेडिकल किट अपने पास रखना बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि आपको अस्पताल ले जाने वाला या मेडिकल स्टोर की तलाश करने वाला आपके साथ कोई नहीं होगा। अपनी मेडिकल किट में सर्दी और फ्लू की दवा, एंटीसेप्टिक क्रीम, पट्टियां, दर्द निवारक दवा, सैनिटाइजर, कैंची और दर्द निवारक स्प्रे जरूर रखें।

जगह के हिसाब से चुनें कपड़े

हर किसी के पास घर पर तमाम कपड़े होते हैं, लेकिन यात्रा पर कौन-से कपड़े ले जाने हैं, यह तय करना जरूरी है। जैसे अगर आप किसी बिजनेस टूर के लिए जा रहे हैं तो उस हिसाब से कपड़े रखें। हालांकि, फॉर्मल आउटफिट को बैग के अंदर वाले सेक्शन में रखना है और नाइट सूट या गारमेंट्स को बैग के ऊपरी सेक्शन में, ताकि इन्हें निकालना आसान हो। अपने पास एक जोड़ी स्नीकर्स और फ्लिप-फ्लॉप भी जरूर रखें।

रेडी-टू-ईट खाना ले जाना होगा सही

यह कहना मुश्किल होगा कि आप अपनी सोलो ट्रिप के दौरान किस स्थिति में रहने वाले हैं, इसलिए यात्रा या किसी आपात स्थिति के दौरान खुद को ऊर्जावान बनाए रखने के लिए कुछ खाने के लिए रेडी-टू-ईट खाना ले जाना सुरक्षित है। बिस्कुट, चिप्स, चॉकलेट बार, प्रोटीन बार, रेडी-टू-ईट नूडल्स, ओट्स और वेफर्स जैसी चीजें अपने साथ रखें और इन्हें अपने बैकपैक में आगे वाले सेक्शन में रखें।

सुपरस्टार नानी की फिल्म दसरा बॉक्स ऑफिस पर मचाएगी धमाल रिलीज से पहले बिके सारे टिकट

साउथ के सुपरस्टार नानी की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'दसरा' रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार हैं. इस फिल्म को लेकर जबरदस्त बज बना हुआ है. यहां तक कि सभी शो रिलीज से पहले ही बिक गए हैं. एक अनुमान की माने तो ये फिल्म नानी के करियर की सबसे बड़ी ओपनर साबित हो सकती है और टिकट खिड़की पर नए रिकॉर्ड बना सकती है.

तेलुगू फिल्म 'दसरा' 30 मार्च 2023 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी. आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में ये फिल्म 1300 से ज्यादा स्क्रीन पर रिलीज होगी. कई थिएटर्स में फिल्म के सभी शोज एडवांस बुकिंग में हाउसफुल हो चुके हैं ऐसे में मेकर्स और शो एड करने पर विचार कर रहे हैं. इसी के साथ ये हर दिन हाईएस्टर नंबर्स ऑफ शो के साथ हाईएस्ट बुकिंग पैन इंडिया फिल्म बन चुकी है. ऐसे में बॉक्स ऑफिस पर ये फिल्म यकीनन रिकॉर्ड ब्रेक करेगी. उम्मीद की जा रही है कि फिल्म नानी के करियर की बेस्ट ओपनिंग की गवाह बनेगी. ऐसे में देखना दिलचस्प होगा कि क्या यह 'बाहुबली', 'आरआर' या 'केजीएफ चैप्टर 1 और 2' जैसी साउथ इंडियन ब्लॉकबस्टर का रिकॉर्ड तोड़ने में सफल हो पाती है या नहीं.

भारी मांग को देखते हुए रिलीज के दिन शो सुबह 5 बजे से शुरू हो जाएंगे. फिल्म में फैंस को एक्टर से पावर-पैक परफॉर्मेंस की उम्मीद है. श्रीकांत ओडेला द्वारा लिखित और निर्देशित दसरा में सिंगरेनी कोयला खानों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति, राजनीतिक महत्वाकांक्षा और सत्ता के संघर्ष की कहानी बुनी गई है. ऐसे में सुपरस्टार को एक्शन में देखने के लिए तैयार हो जाइए क्योंकि वह अपने मंत्रमुग्ध कर देने वाले परफॉर्मेंस से स्क्रीन पर आग लगा देते हैं. इसी के साथ ये भी बता दें कि फिल्म 'दसरा' अजय देवगन स्टारर भोला से बॉक्स ऑफिस पर क्लैश करेगी. अब देखने वाली बात होगी की ये फिल्में बॉक्स ऑफिस पर क्या कमाल दिखाती हैं.

छोरी 2 की शूटिंग पूरी कर खुश हैं नुसरत और सोहा

अभिनेत्री नुसरत भरुचा और सोहा अली खान की खुशी का ठिकाना नहीं है, क्योंकि उन्होंने अपनी हॉरर फिल्म छोरी 2 की शूटिंग पूरी कर ली है। सोहा ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें दोनों खुशी से झूम रहे हैं और फिर एक दूसरे को गले लगा रहे हैं। कैमरे की ओर मुस्कुराते हुए दोनों की तस्वीरों के साथ वीडियो समाप्त होता है। एक्ट्रेस ने फोटो शेयर करते हुए कैप्शन दिया, छोरी 2 की शूटिग पूरी कर काफी खुश हूं। साथ ही इसमें सोहा ने हैसटैग के जरिए छोरी 2, पोस्टरशूट, डनएंडडस्टड एट द रेट नुसरत भरुचा, विशाल को टैग किया। विशाल फुरिया, जिन्होंने 2021 में छोरी का निर्देशन किया था, अगली कड़ी में निर्देशक की सीट पर लौट आए हैं।

त्वचा के लिए फायदेमंद है अल्फा लिपोइक एसिड

ये है इससे जुड़ी महत्वपूर्ण बातें

बुढ़ापा एक प्राकृतिक प्रक्रिया है और इससे कोई नहीं बच सकता है। हालांकि, आप त्वचा पर बढ़ती उम्र के प्रभाव को धीमा करने के लिए अल्फा लिपोइक एसिड का उपयोग कर सकते हैं। यह शक्तिशाली एंटी-एजिंग घटक त्वचा को टाइट कर सकता है और इसे युवा बनाए रख सकता है। यदि आपने इसके बारे में कभी नहीं सुना है तो आइए आज हम आपको अल्फा लिपोइक एसिड के फायदे, संभावित जोखिम और उपयोग का तरीका बताते हैं।

अल्फा लिपोइक एसिड क्या है?

अल्फा लिपोइक एसिड को लिपोइक एसिड और थियोक्टिक एसिड भी कहा जाता है। यह एक एंटी-ऑक्सीडेंट है। ऐसा माना जाता है कि इसमें कई लाभकारी गुण होते हैं। यह जानवरों के लिवर और किडनी के अलावा पालक, ब्रोकोली और आलू जैसी सब्जियों में पाया जाता है। इसके बहुमुखी उपयोग हैं और इसकी मात्रा दवाओं के साथ-साथ मौखिक स्वास्थ्य के उत्पादों और त्वचा की देखभाल वाले उत्पादों में मौजूद होती है।

अल्फा लिपोइक एसिड के फायदे

अल्फा लिपोइक एसिड हानिकारक मुक्त कणों को बेअसर कर सकता है, जो त्वचा को नुकसान पहुंचाते हैं। यह एंटी-एजिंग घटक के रूप में कार्य करके त्वचा से महीन रेखाओं और झुर्रियों को कम करने में मदद कर सकता है। अल्फा-लिपोइक एसिड त्वचा को साफ और चिकनी बना सकता है। यह त्वचा को सूरज की हानिकारक पराबैंगनी किरणों से भी बचा सकता है। यह त्वचा में नमी बनाए रखने में भी सहायक है।

किस तरह की त्वचा के लिए सही है अल्फा लिपोइक एसिड?

अल्फा लिपोइक एसिड हर प्रकार की त्वचा पर उपयोग किया जा सकता है। अगर आप अपनी त्वचा की बनावट में सुधार और मुंहासों को दूर करने या समय से पहले उम्र बढ़ने के संकेतों को रोकना चाहते हैं तो अल्फा लिपोइक एसिड आपके लिए लाभदायक है। इसके एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण आपकी त्वचा को आराम देते हैं और मुंहासों के लक्षणों को कम करते हैं।

अल्फा लिपोइक एसिड का उपयोग कैसे करें?

अगर आप अल्फा लिपोइक एसिड युक्त त्वचा की देखभाल वाले उत्पादों का उपयोग पाउडर फॉर्मूले में करते हैं तो इसे लगाने से पहले इसे थोड़े से पानी या हल्के लोशन के साथ मिलाएं। आप अल्फा लिपोइक एसिड युक्त क्रीम, जेल या फिर सीरम आदि भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इनके उपयोग से पहले चेहरे को धो लें। अल्फा लिपोइक एसिड युक्त उत्पादों को पूरे चेहरे या झुर्रियों से प्रभावित क्षेत्रों पर दिन में दो बार लगाएं।

अल्फा लिपोइक एसिड के नुकसान

अल्फा लिपोइक एसिड सभी प्रकार की त्वचा पर इस्तेमाल करने के लिए सुरक्षित है, लेकिन कुछ मामलों में यह एलर्जी या जलन पैदा कर सकता है। रैश, जलन, खुजली, जलन, लालिमा और सूजन आदि अल्फा लिपोइक एसिड के कुछ सामान्य दुष्प्रभाव हैं। इसके कारण सलाह दी जाती है कि अल्फा लिपोइक युक्त उत्पादों का उपयोग करने से पहले हमेशा अपनी त्वचा पर उसका पैच टेस्ट जरूर करें।

बिग बॉस फेम सौंदर्या शर्मा ने तोड़ी बोल्डनेस की हदें, फोटो में क्लीवेज फ्लॉन्ट कर बढ़ाई धड़कनें

रक्तांचल फेम एक्ट्रेस सौंदर्या शर्मा अपनी ग्लैमरस अदाओं से फैंस के दिलों को बेताब करने का हुनर बखूबी जानती हैं। उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होती हैं। वहीं, एक्ट्रेस की लेटेस्ट तस्वीरें सोशल मीडिया पर कहर बरपाए हुए हैं। व्हाइट कलर के मल्टीकट गाउन में एक्ट्रेस सौन्दर्या शर्मा ने बेहद ही सिजलिंग पोज दिए, जो फैंस को काफी पसंद आ रहे हैं। डीपनेक आउटफिट में एक्ट्रेस सौंदर्या शर्मा अपना जमकर क्लीवेज फ्लॉन्ट कर रही हैं, उनकी किलर तस्वीरें फैंस को काफी पसंद आ रही हैं। ओपन हेयर स्टाइल और हाथों में गोल्डन आउटलेट के साथ एक्ट्रेस सौंदर्या गजब की बला लग रही हैं। फैंस उनकी तस्वीरें देखकर बेताब हो रहे हैं। कर्वी फिगर फ्लॉन्ट करती नजर आ रहीं एक्ट्रेस सौंदर्या शर्मा की तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। जो फैंस के दिलों की धड़कनें बढ़ाए हुए हैं। एक्ट्रेस ने तस्वीरों को हॉटनेस को बढ़ाने के लिए डिफरेंट अंदाज में कई स्टनिंग पोज देकर सोशल मीडिया का पारा हाई कर दिया है। सौंदर्या शर्मा रियल लाइफ में बहुत ही बोल्ड और स्टाइलिश हैं। उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर धमाल मचाती हैं। सौंदर्या शर्मा फेमस ओटीटी वेब सीरीज रक्तांचल में नजर आ चुकी हैं। एक्ट्रेस सौंदर्या शर्मा रंगमंच की दुनिया के साथ एक चिकित्सक भी हैं। वो पेशे से एक डेंटिस्ट भी हैं। हॉटनेस और दिलकश अदाओं के कारण लाइमलाइट में रहने वाली एक्ट्रेस सौंदर्या शर्मा अपने फैंस के लिए अक्सर तस्वीरें शेयर करती रहती हैं।

भोला के रिलीज डेट पर जारी होगा अजय देवगन की मैदान का टीजर

हिंदी सिनेमा के सुपरस्टार अजय देवगन किसी अलग पहचान के मोहताज नहीं हैं. मौजूदा समय में अजय अपनी आने वाली फिल्म भोला की रिलीज को लेकर चर्चा में बने हुए हैं. इस बीच अब अजय देवगन ने अपने फैंस को नायाब तोहफा दिया है. अजय ने मंगलवार को अपनी अपकमिंग फिल्म मैदान की रिलीज डेट का एलान कर दिया है. साथ ही ये भी खबर सामने आई है कि मैदान का टीजर कब रिलीज किया जाएगा. आने वाली 30 मार्च को अजय देवगन स्टारर फिल्म भोला सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है. भोला का इंतजार फैंस बड़ी ही बेसब्री से कर रहे हैं. इतना ही नहीं भोला के साथ अब फैंस को डबल मजा मिलने वाला है क्योंकि खबर है कि अजय की भोला की रिलीज के साथ सिनेमाघरों में उनकी आने वाली फिल्म मैदान का टीजर भी रिलीज किया जाएगा. फिल्म मैदान की कहानी एक सच्ची स्टोरी पर आधारित है. इस फिल्म का डायरेक्शन मशहूर फिल्ममेकर रविंद्रनाथ शर्मा ने किया है. जबकि अजय देवगन के साथ-साथ इस फिल्म में बॉलीवुड कलाकार गजराव राव और प्रियामणि लीड रोल में मौजूद हैं. दूसरी ओर इस फिल्म के संगीत की कमान ऑस्कर विनर सिंगर और म्यूजिक कंपोजर ए आर रहमान ने संभाली है.

अनुष्का कौशिक सीख रही महिलाओं का मार्शल आर्ट फॉर्म विंग चुन

'घर वापसी' और 'थार' जैसी प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनने के बाद, एक्ट्रेस अनुष्का कौशिक तिग्मांशु धूलिया की 'गर्मी' और अरबाज खान के प्रोडक्शन की 'पटना शुक्ला' में अपने काम से दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने हाल ही में शूटिंग पूरी की है और अब वह विंग चुन क्लासेस ले रही है, जो दक्षिणी चीन की एक अवधारणा-आधारित युद्ध कला है। यह तकनीक मूल रूप से महिलाओं की आत्मरक्षा के लिए है। अनुष्का ने इस बात पर जोर दिया कि देश में अधिक से अधिक महिलाओं को इस मार्शल आर्ट फॉर्म को सीखना चाहिए। अनुष्का ने कहा, मैं वास्तव में महसूस करती हूं कि क्राफ्ट्स और अन्य एक्टिविटीज की तरह मार्शल आर्ट को भी स्कूली सिलेबस में शामिल किया जाना चाहिए और अनिवार्य बनाया जाना चाहिए। यह सिर्फ लड़कियों के लिए ही नहीं बल्कि लड़कों के लिए भी जरूरी है। सरकार और स्कूल के अधिकारियों को इस टॉपिक को उठाना चाहिए, क्योंकि जब हम अपराध जैसे मुद्दों के बारे में बात करते हैं और हम इसे कैसे खत्म नहीं कर पा रहे हैं, ऐसे मामलों में हमें अपने बच्चों को सशक्त बनाने की जरूरत है, ताकि किसी भी प्रकार के यौन या शारीरिक उत्पीड़न का सामना करते हुए वे इससे लड़ने में सक्षम हों।

विंग चुन आर्ट फॉर्म ताकत से ज्यादा तकनीक पर फोकस करता है और अनुष्का इसके जरिए जरूरत के वक्त अपने शरीर का इस्तेमाल करना सीख रही हैं।

जब हम लड़ रहे होते हैं, तो जिस व्यक्ति के पास अधिक ताकत होती है, उसके जीतने की संभावना अधिक होती है, लेकिन जब आप तकनीकों को ठीक से जानते हैं, तो आपके जीतने की संभावना अधिक होती है। अगर आप तकनीक जानते हैं, तो आप भले ही दुबले-पतले हैं या ऐसे व्यक्ति हैं, जिनमें इतनी ताकत नहीं है या फिर आपकी उम्र 50-60 साल है, तो भी आप सही नॉलेज से लड़ाई जीत सकते हैं।

अनुष्का इस बात से दुखी हैं कि कई महिलाएं ऐसी डिफेंस टेकनीकनहीं सीख रही हैं।

उन्होंने कहा: दुख की बात है, मेरी क्लास में, केवल एक महिला है जो मार्शल आर्ट फॉर्म और ट्रेनिंग ले रही है, और वह मैं हूं। हमारे देश में माता-पिता को अपनी बेटियों और बेटों को इस तरह का शारीरिक प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए सशक्त बनाने की जरूरत है। इसे खुद से सीखने से मुझे इसे समझने में मदद मिली है।

खास खबर

रायपुर कलेक्टर की संवेदनशीलता से तुरंत बना बच्चे का आयुष्मान कार्ड

रायपुर। कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे की संवेदनशीलता से 10 वर्षीय बालक राहुल का तुरंत आयुष्मान कार्ड बन गया। आज कलेक्टोरेट परिसर के कलेक्टर सभाकक्ष में आयोजित जन चौपाल में, कांकेर जिले के भानुप्रतापपुर के छोटे से गांव मोहगांव से आए राजेश पटेल ने कलेक्टर को अपने बच्चे के इलाज संबंधी समस्या बताई। उन्होंने बताया की उनका 10 वर्षीय बालक राहुल पटेल को थेलेसीमिया है, जिसके इलाज के लिए वह रायपुर के डॉ भीमराव अम्बेडकर अस्पताल (मेकाहारा) आए थे। इलाज के दौरान उन्हे पता चला कि छत्तीसगढ़ शासन द्वारा डॉ खूबचंद बघेल स्वास्थ्य सहायता योजना अंतर्गत आयुष्मान कार्ड द्वारा 5 लाख तक के इलाज की सुविधा दी जाती है। इसलिए वह अपने बेटे का आयुषमान कार्ड बनवाने कलेक्टर से अपील की। कलेक्टर ने उनकी बातों को गंभीरता से सुना और संवेदनशीलता दिखाते हुए तत्काल संबंधित अधिकारियों को बच्चे का आयुष्मान कार्ड बनाने के निर्देश दिए। कलेक्टर डॉ भुरे के निर्देश पर तुरंत ही राहुल का आयुष्मान कार्ड बन गया। श्री पटेल ने आयुषमान कार्ड बनवाने की लिए प्रशासन का आभार व्यक्त किया । डॉ खूबचंद बघेल स्वास्थ्य सहायता योजना अंतर्गत आयुष्मान कार्ड द्वारा लोगों को मुफ्त में स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाती हैं। इसमें पात्र लोगों के आयुष्मान कार्ड बनते हैं, जिनकी मदद से कार्डधारक सूचीबद्ध अस्पतालों में 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज करवा सकता है।

जनचौपाल में मिले 45 आवेदन, कलेक्टर ने सुनी लोगों की समस्याएं

गरियाबंद। जिला कार्यालय गरियाबंद में प्रत्येक सप्ताह मंगलवार को आयोजित जनचौपाल में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र से आये 45 लोगों ने अपनी समस्या संबंधी आवेदन प्रस्तुत किये। कलेक्टर प्रभात मलिक ने लोगों की समस्याएं सुनी। उन्होंने मौके पर ही आवेदकों की समस्या संबंधी आवेदन को संबंधित विभाग के अधिकारियों से इसके निराकरण के संबंध में विभाग द्वारा की गई पहल की जानकारी ली। साथ ही आवेदकों को उनकी समस्या का शीघ्र निराकरण का भरोसा दिलाया। जनचौपाल में ग्राम चैतरा के छत्तर टंडन ने बकरी पालन हेतु सहायता राशि, ग्राम नागाबुड़ा की विभा गिडियन ने आर्थिक सहायता राशि, ग्राम खट्टी के दसरी बाई साहू ने पीएम सम्मान निधि की राशि के संबंध में, ग्राम खम्हारीपारा के देवराम ने निर्माण कार्य में रोक हटाने, ग्राम रवेली के गीता राम व ग्राम गोंदलाबाहरा के हरिराम ने वन पट्टा,ग्राम आमदी द की पुष्पा दीवान ने विधवा पेंशन,ग्राम सहसपुर के इन्द्रजीत धनगढ़ ने असंगठित कर्मकार प्रसूति सहायता योजना के संबंध में गरियाबंद के पार्षद वंशगोपाल सिन्हा ने वार्ड क्रमांक 8 से 15 के मध्य शासकीय उचित मूल्य दुकान खुलवाने, फिंगेश्वर के तिजऊराम रात्रे प्रधानमंत्री आवास हेतु, ग्राम खट्टी की कुंती बाई ने जमीन की पट्टा बनवाने,ग्राम जिडार के दिलीप कुमार ने अनुकंपा नियुक्ति और ग्राम चैतरा के लक्ष्वंतिन ने सीमांकन कराने जैसे विभिन्न आवेदन प्रस्तुत किया।

राज्यपाल हरिचंदन अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर के चौथे दीक्षांत समारोह में शामिल हुए

देश का भविष्य युवाओं के सपनों से गढ़ा जाएगा- राज्यपाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर का चौथा दीक्षांत समारोह विश्वविद्यालय परिसर में राज्यपाल एवं कुलाधिपति विश्वभूषण हरिचंदन की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर फ़िजी गणराज्य के भारत में उच्चायुक्त कमलेश शशि प्रकाश मौजूद थे। समारोह में विश्वविद्यालय के 58 और शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय रायगढ़ के 7 मेधावी विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक एवं डिग्री से अंलकृत किया गया।

विश्वविद्यालय द्वारा समाज विज्ञान और कला संकाय में योगदान के लिए 2 विद्वानों को मानद् उपाधि से विभूषित किया गया। इसके अलावा विश्वविद्यालय ने गणित एवं अंग्रेजी विषय के 2 शोधकर्ता विद्यार्थी को पहली बार पीएचडी की उपाधि प्रदान की। कार्यक्रम में संसदीय सचिव श्रीमती रश्मि आशीष सिंह, बेलतरा विधायक श्री रजनीश सिंह, अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय के कुलपति श्री ए.डी.एन वाजपेयी, शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय रायगढ़ के कुलपति डॉ. ललित प्रकाश पटेरिया, हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग की कुलपति डॉ. अरूणा पल्टा विशेष रूप से मौजूद रहे। इस अवसर पर राज्यपाल श्री हरिचंदन ने अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित त्रैमासिक पत्रिका कन्हार का विमोचन किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल हरिचंदन ने स्वर्ण पदक एवं मानद उपाधि प्राप्त सभी विद्यार्थी एवं विद्वानों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि देश का भविष्य युवाओं के सपनों और आशाओं से गढ़ा जाएगा। दीक्षांत समारोह विद्यार्थी और यूनिवर्सिटी के लिए एक यादगार दिन होता है। आपने विश्वविद्यालय में जो शिक्षा अर्जित की है, वो एक बेहतर और प्रगतिशील समाज के निर्माण में अहम भूमिका निभाएगा। विद्यार्थियों को सतत अपनी क्षमता और ज्ञान के विकास के लिए प्रयास करते रहना चाहिए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के द्वारा सरकार ने शिक्षा की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। शिक्षा नीति में समावेशी शिक्षा को शामिल किया गया है, जिसमें बच्चों के संपूर्ण विकास पर जोर दिया जा रहा है। आज हम अपनी प्राचीन समृद्ध ज्ञान और परम्परा को भूल गए है। अपनी पुरानी प्रतिष्ठा को फिर से अर्जित करने के लिए शिक्षा व्यवस्था में मानवीय मूल्यों और परम्पराओं को शामिल करना होगा। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जीवन में ही मानवीय मूल्यों, परम्पराओं और रचनात्मक क्षमता का विकास होता है। विद्यार्थी नई पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते है। मुख्य अतिथि उच्चायुक्त श्री कमलेश शशि प्रकाश ने विद्यार्थियों को अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज से आपके जीवन में एक नया अध्याय शुरू हो रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि खूब पढ़े इसे अपनी आदत में शामिल कर ले। पढ़ाई से ही आपके सपनों को उंची उड़ान मिलेगी। उन्होंने कहा कि अपने जीवन का लक्ष्य निर्धारित करें और उसे प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास करें। कुलपति श्री ए.डी.एन वाजपेयी ने स्वागत भाषण दिया और विश्वविद्यालय की उपलब्धियों की जानकारी दी । फिजी गणराज्य के भारत में उच्चायुक्त कमलेश शशि प्रकाश को समाज विज्ञान संकाय ने मानद् उपाधि और सेवानिवृत्त प्राध्यापक डॉ. पुष्पा दीक्षित को कला संकाय में डी. लिट की उपाधि दी गई। विश्वविद्यालय में शोधकर्ता दो विद्यार्थियों को गणित एवं अंग्रेजी विषयों में पहली बार पीएचडी की उपाधि दी गई। राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन के आगमन पर बिलासपुर जिला प्रशासन द्वारा पंडित सुंदरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय हेलीपेड पर उनका स्वागत किया गया।

तंबाकू मुक्त छत्तीसगढ़ बनाने के लिए राज्य सरकार है संवेदनशील

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य में तंबाकु उपयोग करने वालों का प्रतिशत 39.1 है। साथ ही 13 से 15 वर्ष के 8 प्रतिशत शाला प्रवेशी बच्चे भी तंबाकु की चपेट में आ चूके हैं। यह चिंता का विषय है। आम लोगों में तम्बाकू एवं तम्बाकू से बने उत्पाद के उपयोग को हतोत्साहित करने के लिए शासन द्वारा विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इस पर गंभीरता दिखाते हुये राज्य में तंबाकु नियंत्रण कार्यक्रम के माध्यम से प्रयास किये जा रहें हैं, ताकि छत्तीसगढ़ राज्य को तंबाकू मुक्त राज्य बनाया जा सके। इसी क्रम में तंबाकू नियंत्रण की दिशा में ठोस कदम उठाये जाने के उद्देश्य से 29 मार्च 2023 को राज्य स्तरीय समन्वय समिति की बैठक का आयोजन किया गया है। मंत्रालय नया रायपुर के सभा कक्ष में होने वाली इस बैठक की अध्यक्षता मुख्य सचिव छत्तीसगढ़ शासन द्वारा किया जावेगा साथ ही राज्य के वरिष्ठ अधिकारी इस बैठक में उपस्थित रहेंगे।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के दिशा निर्देशानुसार राष्ट्रीय तंबाकु नियंत्रण कार्यक्रम तथा कोटपा एक्ट 2003 के प्रावधानों के अनुपालन के लिए राज्य स्तरीय समन्वय समिति का गठन किया गया है। इस बैठक में समिति की पूर्व बैठकों में लिए गये निर्णयों की समीक्षा सहित राज्य में तंबाकू नियंत्रण के लिए आगामी रणनीति तैयार की जायेगी।

बैठक में ये होगे शामिल:- 29 मार्च की बैठक में छत्तीसगढ़ शासन अंतर्गत पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, वित्त विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, कृषि विभाग, जनसंपर्क विभाग, विधि विभाग, गृह जेल विभाग, परिवहन विभाग, , स्कूल शिक्षा विभाग, श्रम विभाग, रायपुर एवं बिलासपुर जिले के जिला कलेक्टर, रेल्वे के प्रतिनिधि, द यूनियन के वरिष्ठ तकनीकी सलाहकार सहित तंबाकू नियंत्रण के क्षेत्र में कार्य करने वाले समाजिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे।

संभागायुक्त दुर्ग संभाग ने जिला पंचायत में दी दबिश

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। जिला पंचायत राजनांदगांव में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब संभागायुक्त महादेव कावरे सुबह 10.30 बजे अचानक जिला पंचायत राजनांदगांव पहुंचे। श्री कावरे ने कार्यालय में समस्त शाखाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सभी कर्मचारियों के टेबल पर नाम पट्टिका आवश्यक रूप से रखे जाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्थापना शाखा में अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सेवा पुस्तिका का अवलोकन किया। अपील पंजी में लंबित एक आवेदन को समय सीमा में निराकरण किए जाने के निर्देश दिए गए। सूचना के अधिकार के तहत प्राप्त कुल 27 आवेदनों में से 25 आवेदन निराकृत किया गया है। शेष लंबित 2 आवेदनों को समय सीमा के भीतर निराकृत किए जाने के निर्देश दिए गए।

सभी योजनाओं के कैशबुक का भी किया अवलोकन

संभागायुक्त द्वारा जिला पंचायत अंतर्गत संचालित विभिन्न केंद्र एवं राज्य पोषित योजनाओं जैसे मनरेगा, स्वच्छ भारत मिशन, सांसद आदर्श ग्राम योजना, विधायक आदर्श ग्राम योजना, रूर्बन मिशन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री पंचायत सशक्तिकरण योजना, मुख्यमंत्री समग्र योजना, श्रद्धांजली योजना, स्वामी विवेकानंद प्रोत्साहन योजना, मुख्यमंत्री ग्रामीण आंतरिक विद्युतीकरण योजना, 15वें वित्त आयोग एवं अन्य योजनाओं के कैशबुक एवं पासबुक का अवलोकन किया। जिस पर मुख्यमंत्री पंचायत सशक्तिकरण योजना के रोकड़ बही एवं बैंक पासबुक में 117820 रूपए की राशि का अंतर पाए जाने पर अंतर की राशि के जांच कर मिलान किए जाने के निर्देश दिए।

साथ ही जिला पंचायत हेतु संधारित रोकड़ बही में मासिक गोशवारा नही बनाए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित कर्मचारी को मासिक गोशवारा एवं बैंक समाधान विवरण तैयार किए जाने के निर्देश दिए।संभागायुक्त ने शासन की महत्वपूर्ण योजना नरूवा, गरूवा, घुरूवा एवं बाड़ी योजना, रीपा योजना हेतु आगामी कार्य योजना के संबंध में अधिकारियों से चर्चा की। साथ ही योजना के क्रियान्वयन के संबंध में निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत राजनांदगांव अमित कुमार, अनुविभागीय अधिकारी राजनांदगांव अरूण वर्मा भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना गरीबों के लिए वरदान साबित

जिले के 375 जोड़े मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना से हुए लाभान्वित

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। राज्य शासन द्वारा आयोजित मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना गरीब परिवारों के लिए वरदान साबित हो रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य के गरीब माता-पिता भी अपने कन्याओं की धूमधाम से गाजे-बाजे के साथ विवाह संपन्न कराते हैं। वित्तीय वर्ष 2022-23 में जिले के 375 जोड़े हितग्राहियों को मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना से लाभान्वित किया गया है।

जिसमें चारामा में 27 मई 2022 को आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम में 209 जोड़े, अंतागढ़ में 27 फरवरी को आयोजित सामूहिक कन्या विवाह कार्यक्रम में 91 जोड़े और 25 मार्च को नरहरपुर में आयोजित कार्यक्रम में 75 जोड़े का विवाह संपन्न कराया गया है।

उल्लेखनीय है कि राज्य शासन द्वारा प्रदेश के गरीब परिवारों के कन्याओं के लिए मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना लागू की गई है। कन्या के विवाह के संदर्भ में होने वाली आर्थिक कठिनाइयों का निवारण, विवाह के अवसर पर होने वाली फिज़ूलखर्ची को रोकने एवं सादगी पूर्ण विवाह को बढ़ावा देना, सामूहिक विवाह के आयोजन के माध्यम से गरीबों के मनोबल एवं आत्मसम्मान बढ़ाना, सामाजिक स्थिति में सुधार एवं सामूहिक विवाह को प्रोत्साहन करना, दहेज के लेनदेन को रोकथाम करना इसका मुख्य उद्देष्य है। इस योजना के तहत् गरीबी रेखा के नीचे जीवन-यापन करने वाले अथवा मुख्यमंत्री खाद्यान्न योजना अंतर्गत राशन कार्डधारी परिवार के सदस्य तथा एक परिवार की दो कन्याओं को लाभान्वित किया जाता है।

राज्य सरकार द्वारा पात्रता रखने वाली कन्याओं को इस योजना के अंतर्गत 25 हजार रूपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है, जिसमें 19 हजार रूपये की सामग्री तथा कन्याओं को 01 हजार रूपये की राशि बैंक ड्राफ्ट या खाते के माध्यम से दी जाती है। सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजन व्यवस्था एवं परिवहन पर प्रति कन्या के लिए 05 हजार रूपये व्यय की जाती है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल द्वारा इस योजना के तहत् प्रदेश के गरीब परिवार के कन्याओं की विवाह कराने में आर्थिक मदद दी जाती है, इसके लिए वर-वधु के माता-पिता मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किये हैं।

केबिनेट मंत्री ने किया सीसी सड़क और रंगमंच का लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। कैबिनेट मंत्री कवासी लखमा सुकमा प्रवास के दौरान नगर पंचायत दोरनापाल में आयोजित लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल हुए। यहां उन्होंने दोरनापाल से शबरी नदी तक सीसी सड़क पहुंच मार्ग और दोरनापाल में वार्ड क्रमांक 04 में रंगमंच निर्माण कार्य का लोकार्पण किया। जिसमें 89.98 लाख की लागत से निर्मित दोरनापाल से शबरी नदी तक पहुंच मार्ग और वार्ड क्रमांक 4 में 4 लाख की लागत से निर्मित रंगमंच का कार्य शामिल है।

कैबिनेट मंत्री श्री लखमा ने इस लोकार्पण के अवसर पर मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से 19 लोगों को 1 लाख 65 हजार का चेक वितरण किया। साथ ही उन्होंने नजूल भूमि का पट्टा वितरण कर हितग्राहियों को लाभांवित किया। मंत्री श्री लखमा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार ने लोगों तक योजनाओं के पहुंच को आसान बनाया है। साथ ही प्रदेश सरकार प्रदेशवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं, बिजली, सड़क जैसी मूलभूत सूविधाएं मुहैया कराने के लिए संकल्पित हैं, जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार कर रही है, इसी का परिणाम है कि संवेदनशील क्षेत्रों में भी गर्भवती महिलाओं को प्रसव सुविधा के साथ ही आमजनों को भी बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिल रही है। साथ ही क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं के विकास के तहत् सड़क, पुल-पुलिया, स्कूल भवन, आंगनबाड़ी भवन, सोसायटी भवनों का निर्माण कर रही है। उन्होंने कहा की राज्य छत्तीसगढ़ ओलपिंक खेल वर्ष 2022-23 के तहत् आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में गिल्ली डंडा, लंगड़ी दौड़, पिट्ठूल खेलों के विजेताओं को पुरस्कार एवं राजीव युवा मितान क्लब योजना अंतर्गत द्वितीय किश्त का वितरण किया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने ओलंपिक खेल हेतु विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण राशि कुल 47.44 लाख रुपये और जिले के 162 मितान क्लब योजनांतर्गत द्वितीय किश्त 40.50 लाख रुपये प्रदान किया गया। आगामी माह में आयकर से मुक्त परिवार जिनके सदस्य किसी शासकीय या अर्धशासकीय सेवा में नहीं है उनके बच्चों को 12 वीं उत्तीर्ण होने पर प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। इसी के साथ ही उन्होंने बेरोजगारों को प्रदान की जाने वाली बेरोजगार भत्ता, तेंदुपत्ता बोनस राशि, धान खरीदी, गोबर खरीदी, मिलेट फसलों का भी उल्लेख किया। इस अवसर पर जीव जंतु बोर्ड के सदस्य करण देव, नगर पंचायत दोरनापाल अध्यक्ष श्रीमती बबिता माड़वी सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे। मंत्री लखमा ने की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की,कैबिनेट मंत्री लखमा ने दोरनापाल के शीतला माता मंदिर पहुंचकर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

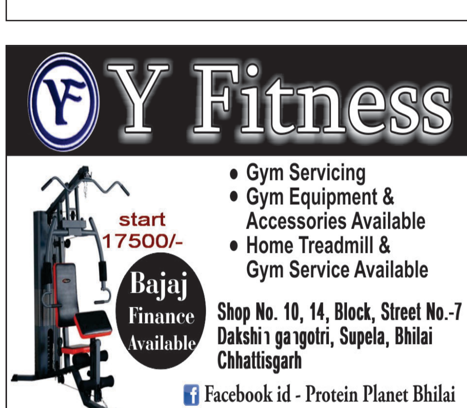

खास-खबर

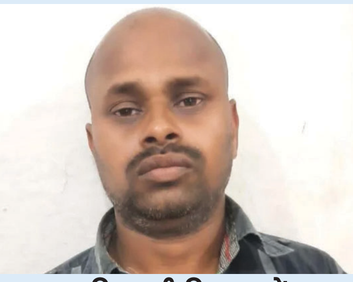

जामुल पुलिस की गिरफ्त में आया गाय से दुष्कर्म का आरोपी

भिलाई। गाय से दुष्कर्म करने वाले सिरफिरे युवक को जामुल पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सीसी टीवी फुटेज के आधार पर ट्रेस कर जामुल पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी का नाम अनिल नागदेव है जो घासीदास नगर जामुल का रहने वाला है। जामुल पुलिस द्वारा आरोपी के खिलाफ धारा 377 के तहत कार्रवाई कर रही है।

आपकों बता दें कि 17 मार्च को जामुल थाने में गाय से दुष्कर्म का मामला सामने आया था। जामुल थाना अंतर्गत सुंदर विहार कॉलोनी में दुर्गा डेयरी के पीछे अज्ञात शख्स गाय के साथ अप्राकृतिक कृत्य कर रहा था। यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। इस मामले में हिन्दूवादी संगठनों की शितायत पर जामुल पुलिस ने अपराध दर्ज किया था। बाद में सीसी टीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान की गई। एफआईआर के लगभग 10 दिन बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

नर्सिंग छात्रा से अस्पताल में छेड़छाड़, सोते समय बदमाश ने की गलत हरकत, आरोपी गिरफ्तार

दुर्ग। जेवरा सिरसा चौकी के अंतर्गत अस्पताल में नर्सिंग छात्रा के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। नर्सिंग छात्रा अपनी सहेली की तबीयत खराब होने पर अस्पताल में देखरेख कर रही थी। रात को सोते समय आरोपी बैंकुठधाम शारदा पारा भैरव बस्ती निवासी यशवंत बंजारे ने नर्सिंग छात्रा से छेड़छाड़ की। घटना के बाद वह फरार हो गया। नर्सिंग छात्रा ने इस मामले में दूसरे दिन जेवरा सिरसा चौकी पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। नर्सिंग छात्रा की शिकायत पर जेवरा सिरसा पुलिस ने अपराध दर्ज कर आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है।

जेवरा सिरसा पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार घटना 25 मार्च की बताई जा रही है। पीड़िता नर्सिंग की छात्रा है। उसकी सहेली की तबीयत खराब होने से उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पीड़िता अपनी सहेली की देखभाल के लिए रुक गई थी। इस दौरान यशवंत बंजारे (35) जो मूल रूप से शंकरपुर वार्ड क्रमांक 10 थाना चिखली राजनांदगांव का निवासी है। हाल के समय में वह बैंकुठधाम शारदा पारा भैरव बस्ती में रहा रहा है। आरोपी ने रात को सोते समय नर्सिंग की छात्रा से छेड़छाड़ की। इस मामले में शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

प्रधानमंत्री आवास के नाम पर ठगी

शातिरों ने खुद को पीएम आवास योजना का अफसर बताया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास दिलाने का झांसा देकर भिलाई में दर्जनों लोगों से लाखों रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। सुपेला में बाकायदा इसके लिए दफ्तर का संचालन भी किया जा रहा है। लोगों को झांसे में लेकर उनसे रुपए ऐंठ लेते और उन्हें दफ्तर के चक्कर कटवाते थे। चिंगरी पारा, नेहरू भवन के पीछे रहने वाले राकेश चौसरे (26) ने ज्योति सोनी, मकसूद, रेशमा खातून व शाहिद के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। सुपेला पुलिस ने मामले में 34, 420 के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार नेहरू भवन सुपेला स्थित राकेश मोबाइल का संचालक राकेश चौसरे ने सुपेला थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने अपनी शिकायत में बताया कि उसे प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास लेना था। उसके परिचित रमेश खंडारे से पता चला कि ज्योति सोनी नाम की महिला प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत जरूरतमंद लोगों को आवास दिलाने का काम करती है। इसकी जानकारी होने के बाद राकेश पांच रास्ता सुपेला स्कूल के पीछे स्थित मुद्रा फाइनेंस में ज्योति सोनी से 2020 में मुलाकात की।

रुपए लेने के बाद नहीं दिलाया आवास

राकेश ने अपनी शिकायत में बताया कि रकम लेने के बाद ज्योति सोनी ने आज तक आवास नहीं दिलाया। यही नहीं रुपए वापस मांगने से भी वापस भी नहीं कर रही हैं। फोन करने पर जवाब नहीं देती थी तथा फोन भी बंद कर देती थी। इस तरह का व्यवहार देखकर समझ आया कि ज्योति सोनी ने रेशमा खातून, शाहिद, मकसूद के साथ मिलकर मेरे साथ प्रधानमंत्री आवास दिलाने के नाम पर रकम लेकर मकान और पैसा न देकर मेरे साथ धोखाधड़ी किया है।

लिस्ट दिखाकर लिया झांसे में

ज्योति सोनी ने बताया कि वह प्रधानमंत्री आवास मकान दिलाने का काम रेशमा खातून उसका लड़का शाहिद एवं मकसूद के साथ मिलकर करती है। उसने राकेश को एक लिस्ट भी दिखाई जिसमें मकान लेने वालों का नाम लिखा हुआ था। राकेश उसकी बातों में आ गया और मकान लेने की इच्छा जताई। तब ज्योति सोनी ने और किसी को भी मकान की जरूरत हो तो बता देना। इस दौरान उसने एक मकान का ढाई लाख रुपए रेट बताया।

झूठे केस में फंसाने की दी धमकी

बार बार पैसा मांगने पर एक बार 10 हजार रुपए दिए उसके बाद फिर से घुमाने लगे। यही नहीं झूठे केस में फंसाने की धमकी भी देने लगे थे। राकेश ने बताया कि ज्योति सोनी ने मकसूद रेशमा खातून व शाहिद ने मिलकर रत्ना वर्मा, रजनी, आनंद दास मानिकपुरी, रमेश मोतीराम खंडारे, ललिता देवी, सरिता ,सतीशचंद्र घोडे व मीना राम को भी प्रधानमंत्री आवास दिलाने के नाम पर ठगा है। सुपेला पुलिस ने इस मामले में चारों के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज किया है।

50 रुपए के स्टांप पर इकरारनामा

इसके बाद राकेश ने ज्योति सोनी के ऑफिस मुद्रा फाइनेंस एक इकरारनामा 50 रुपए के स्टांप पेपर के माध्यम से 29-12-2020 को किया। इसके बाद पहली बार 76000 रुपए 7 जनवरी 21 को फोन पे के माध्यम से ज्योति सोनी को दिया। इसके बाद अलग अलग किस्तों में 2 लाख 50 हजार रुपए दे दिया गया। इसके बाद ज्योति सोनी ने राकेश की मां यशोदा चौसरे के नाम से 55,850 रुपए की रसीद नगर पालिक निगम भिलाई की पावती के रूप में 15 जनवरी 21 को दिया। इस दौरान ज्योति सोनी ने उसके साथी मकसूद को नगर निगम का अधिकारी बताया और रेशमा को निगम का कर्मचारी बताया।

छत्तीसगढ़ के राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल का पीएसओ बताकर जमाता था धौंस, नशीली दवाओं की करता था बिक्री

तखतपुर पुलिस की कार्रवाई, गिरफ्त में आया शातिर बदमाश

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल का पीएसओ बताकर लोगों पर धौंस जमाने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बिलासपुर एसपी संतोष कुमार सिंह द्वारा नशीले पदार्थ की बिक्री पर अंकुश लगाने चलाए जा रहे ऑपरेशन निजात अभियान के तहत के बदमाश पुलिस की गिरफ्त में आया। शातिर ने लोगों पर धौंस जमाने के लिए पुलिस की वर्दी पहन रखी थी और इसके बाद एक आईडी कार्ड भी बरामद हुआ जिसमें उसका पद व ज्वाइनिंग की तारीख भी लिखी हुई थी। शातिर न सिर्फ नशे का अवैध कारोबार कर रहा था बल्कि ऊंची पहुंच का झांसा देकर कई लोगों को नौकरी दिलाने के नाम भी ठग चुका है। तखतपुर पुलिस द्वारा आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

मिली जानकारी के अनुसार एसपी संतोष सिंह के निर्देश पर पुलिस लगातार नशे के कारोबारियों पर नजर रखे हुई थी। इस बीच तखतपुरा थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम भौराकछार में यज्ञ कुमार यादव पुलिस की वर्दी पहनकर अपने आप को पुलिस विभाग का कर्मचारी तथा राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल का पीएसओ बता रहा है। यज्ञ कुमार अपनी शासन एवं पुलिस विभाग में ऊंची पहुंच-पकड बताकर अवैध रूप से नशे का सामान बिक्री करावाने का प्रयास कर रहा है। साथ ही गांव के कई लोगों को सरकारी नौकरी लगवाने का झांसा दे रहा है।

सूचना पर एसीसीयू बिलासपुर प्रभारी निरीक्षक धर्मेन्द्र वैष्णव, थाना प्रभारी तखतपुर सुम्मत राम साहू, उपनिरी संजय बरेठ, अजय वारे तथा हमराह स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे। ग्राम भौराकछार में सर्च करने पर एक व्यक्ति पुलिस की वर्दी पहने हुए मिला। उसने छत्तीसगढ पुलिस वीआईपी सेक्यूरिटी का आईडी कार्ड लगाया हुआ था जिसमें यज्ञ कुमार नाम के साथ उसका पद, जन्म दिनांक व ज्वाइनिंग डेट लिखा हुआ था। उक्त व्यक्ति की वर्दी के साथ फोटो लगी हुई थी। पुलिस की पूछताछ में युवक ने सारी सच्चाई उगल दी।

राजस्व मंत्री का पीएसओ बताकर जमाता था धौंस

आरोपी अपने गांव तथा आसपास घूमकर अपने आप को राजस्व मंत्री जय सिंह अग्रवाल का पीएसओ बताकर एवं शासन तथा पुलिस विभाग में उंची पहुंच बताकर कई लोगों को सरकारी नौकरी लगवाने के झांसे में लेने तथा अवैध नशे की सामाग्री बिक्री कराने का प्रयास कर रहा था। आरोपी इतना शातिर था कि शादी से पूर्व वह अपने आपको पुलिस का आरक्षक बताया था तथा वर्तमान में अपना प्रमोशन होना बताकर प्रआर की वर्दी आई कार्ड भी बना लिया था। आरोपी यज्ञ कुमार यादव के खिलाफ तखतपुर पुलिस ने धारा 170, 171, 419, 420, 467, 468, 471 के तहत अपराध दर्ज किया है। आरोपी के कब्जे से पुलिस कांबेट वर्दी, काले रंग का लांग बुट, बेल्ट, कैप, बैच, दो नग आईडी कार्ड, एक रबर सील, एक लाईटर गन, पिस्टल होलेस्टर (कवर) को जब्त किया गया। इस पूरी कार्रवाई में एसीसीयू प्रभारी निरीक्षक धर्मेन्द्र वैष्णव, थाना प्रभारी तखतपुर सुम्मत राम साहू, एसआई संजय बरेठ, एसआई अजय वारे, प्रआर बलबीर सिंह, आर तरूण केशरवानी, दीपक यादव, विरेंद्र गंधर्व, सत्या पाटले, आकाश निषाद, ओंकार राजपूत, आरबी आर ध्रुव की भूमिका सराहनीय रही।

शिक्षिका को प्रेमजाल में फंसाकर कर ली थी शादी

पुलिस की पूछताछ में चौंकाने वाला खुलासा हुआ। दरअसल आरोपी युवक ने अपने आप को पुलिस कर्मचारी बताकर पहले ही एक शिक्षिका को प्रेम जाल में फंसाकर धोखे से उसके साथ विवाह किया। उसके पैसे से मंहगी कार खरीदी और पुलिस का रौब दिखाकर घुमता था। यही नहीं शिक्षिका को अपने विश्वास में लेकर कोरबा में एक मकान भी बनवा रहा था। यही नहीं आरोपी युवक ने इस बीच एक बैंक कर्मी महिला को भी अपने प्रेम जाल में फंसा लिया और उससे भी आर्य समाज में प्रेम विवाह कर लिया। दोनों पत्नियों के साथ अलग अलग रहता था एवं दोनो महिलाओं की संपत्ति पर ऐश कर रहा था।

जादू-टोना के शक में वृद्धा की टांगी मारकर हत्या, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में जादू टोना के शक में वृद्धा की हत्या का मामला सामने आया है। घटना 26 मार्च की बताई जा रही है। कासांबेल थाना अंतर्गत गांव सूजी बहार की यह घटना है। 65 साल की वृद्धा की उसी गांव के बेलजियम टोप्पो ने टांगी से ताबड़तोड़ वार कर हत्या कर दी। घटना की शिकायत मृतका के पोते ने पुलिस थाने पहुंचकर दर्ज कराई। इस मामले में पुलिस ने मंगलवार को आरोपी बेलजियम टोप्पो को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

मिली जानकारी के अनुसार गांव सूजीबहार निवासी सुभाष मिंज ने शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि 26 मार्च की शाम के समय वह अपने माता-पिता के कमरे में था। शाम को लगभग 6:45 बजे उनकी दादी हन्ना मिंज (65) जोर-जोर से चीख रही थी। उनकी आवाज सुनकर उनके कमरे में पहुंचे तो वह खून से लथपथ पड़ी थी और गांव का ही बेलजियम टोप्पो टांगी से वार कर रहा था। घर के लोगों को देखकर वह भाग गया।

इस मामले में शिकायत के बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया। सोमवार को दिनभर आरोपी बेल्जियम टोप्पों की तलाश की जाती रही। पुलिस को सफलता मिली और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसके परिवार के लोग अक्सर बीमार रहते थे और इसका कारण वह वृद्धा को मानता था। आरोपी बेलजियम टोप्पो के कब्जे से घटना में प्रयुक्त लोहे की टंगिया को जब्त कर उसे जेल भेज दिया गया है। इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी कांसाबेल मल्लिका बनर्जी, प्रधान आरक्षक मनोज भगत, जोस्टीन तिर्की, विनोद यादव, जनक साय, सुषील तिर्की की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कमरे में अकेली सो रही नाबालिग साली से जीजा ने किया रेप, चंद घंटों में धराया आरोपी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। पद्मनाभपुर थाना क्षेत्र में नाबालिग साली से दुष्कर्म करने वाले आरोपी जीजा को पुलिस ने चंद घंटों मे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी जीजा ने 27 मार्च की रात को अपनी नाबालिग साली से दुष्कर्म किया था। मंगलवार को इस संबंध में पीड़िता ने शिकायत दर्ज कराई। पीड़ित नाबालिग की शिकायत पर पद्मनाभपुर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेजा गया।

मिली जानकारी के अनुसार घटना 27 मार्च की रात की है। पीड़िता की शिकायत के अनुसार बेमेतरा निवासी उसका जीजा नेमु साहू उसके घर आया था। सोमवार की रात को खाना खाने के बाद सभी अलग अलग कमरे सो रहे थे। रात करीबन 10:30 बजे नेमु साहू पीड़िता के कमरे में पहुंचा और जबरदस्ती दुष्कर्म किया है। इस मामले में पीड़ता ने पहले परिजनों को जानकारी दी और उसके बाद मंगलवार की सुबह थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के बाद चंद घंटों में ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

बस-ट्रक की भिडंत, बारातियों से भरी थी बस, एक की मौत, 80 बाराती घायल

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिले में बड़ा हादसा हो गया है। मंगलवार देर रात को जिले के गिधौरी के पास बारातियों से बस की टक्कर ट्रक से हो गई। हादसे में बस में सवार 80 यात्री घायल हो गए हैं और एक की मौत हो गई। घायलों में लगभग 10 लोगों की हालत काफी गंभीर बताई जा रही है। गंभीर रूप से घायलों को रायपुर रेफर किया गया है। हादसे की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने रेस्क्यू किया। वहीं टक्कर के कारण बस व ट्रक के परखच्चे उड़ गए हैं।

मिली जानकारी के अनुसार बलौदाबाजार के पचरी गांव से बारात रायपुर के कुर्रा गई थी। जब बारात वापस लौट रही थी तब गिधौरी के पास बस की सामने से आ रही ट्रक से भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि जोर का धमाका हुआ। मौके पर अफरा तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही गिधौरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। हादसे में बसंत कुमार नाम के युवक की मौत हो गई है। वहीं 10 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। फिलहाल पुलिस हादसे की जांच में जुट गई है।

महिला ने अपने ही रिश्तेदार के घर से किए लाखों रुपए के गहने पार

रायपुर (ए)। रायपुर शहर में एक महिला ने अपने ही दूर की रिश्तेदार के घर पर हाथ साफ कर दिया और लाखों रुपए के जेवर लेकर चंपत हो गई। ये घटना विधान सभा थाना की है। पुलिस ने बताया कि आरोपी महिला ज्योति तेहरवंस सडडु स्थित हाउसिंग बोर्ड कालोनी निवासी पीड़िता मंजू जोशी की दूर की रिश्तेदार है। आरोपी महिला पीड़िता के घर पर पिछले पांच वर्षो से रह रही थी। इसी दौरान साल 2020 में लॉकडाउन के समय पीड़िता के घर के आलमारी में रखे एक नग सोने का लाकेट 6 ग्राम, एक नग सोने का चैन 10 ग्राम, एक नग सोने का छोटा लाकेट 5 ग्राम, दो नग सोने का रिंग (अंगुठी) 5 ग्राम, चांदी का बिछिया, पायल कुल राशि 1,22,077 रूपए को अज्ञात व्यक्ति ने चोरी कर लिया।

GOVERNMENT OF CHHATTISGARH, WATER RESOURCES DEPARTMENT OFFICE OF THE CHIEF ENGINEER MAHANADI GODAWARI BASIN RAIPUR (C.G.)

e-PROCUREMENT TENDER NOTICE

eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

CORRIGENDUM No-01

Following Amendment is made in System Tender 126878 /NIT No. : 33/SAC/2022-23, Balod, Dated: 16.03.2023 Whose G-Number is 99393. dated 17.03.2023

Amendments	
Bid Start Date and time	: 27.03.2023, 17.31 Hourse
Bid Due Date and time	: 13.04.2023, 17.30 Hour
Bid Open Start Date and time	: 17.04.2023, 11:30 Hours

Note: All other terms and conditions will be unchanged.

Executive Engineer
Water Resources Division,Balod (C.G.)
For, Chief Engineer, Mahanadi Godavari Basin Raipur (C.G.)

जी-99678/6

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:- 9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

स्टार्टअप के लिए 30 साल की लीज पर मिलेगी जमीन, रजिस्ट्री के एक साल के अंदर शुरू करनी होगी यूनिट

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। रीपा में स्टार्टअप के इच्छुक उद्यमियों को दी जाने वाली जमीन के संबंध में नीति आ गई है। इच्छुक उद्यमियों को प्रथमत: अधिकतम 30 सालों की लीज पर जमीन दी जाएगी। रजिस्ट्री के एक वर्ष के भीतर ही ईकाई स्थापना का कार्य करना होगा। रीपा में स्थापित होने वाली यूनिटों के लिए औद्योगिक नीति के अनुरूप आर्थिक निवेश प्रोत्साहन के लिए स्टांप ड्यूटी में छूट, ब्याज अनुदान, स्थायी पूंजी निवेश अनुदान आदि के प्रावधान लागू होंगे।

कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा ने रीपा एवं अन्य योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप के इच्छुक

उद्यमियों के लिए यह अच्छा अवसर है और ऐसे उद्यमियों की काउंसिलिंग कर उन्हें रीपा में उद्यम के लिए तैयार किया जाएगा। आज समीक्षा बैठक में भिलाई निगम आयुक्त रोहित व्यास, जिला पंचायत सीईओ अश्विनी देवांगन, सहायक कलेक्टर लक्ष्मण तिवारी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

कलेक्ट्रेट परिसर में काल सेंटर स्थापित किया जा रहा है। इसमें अधोसंरचना का काम पूरा हो चुका है और शीघ्र ही इसमें कार्य संचालन आरंभ हो जाएगा। काल सेंटर के नंबर में लोग शिकायतें दर्ज करा सकेंगे। अपनी शिकायतों के निराकरण की स्थिति के बारे में जानकारी ले सकेंगे। जनदर्शन आदि में दिये गये आवेदनों पर हुई कार्रवाई के संबंध में जानकारी ले सकेंगे। यहां काल सेंटर में कार्य करने वाले दिव्यांग युवा रहेंगे। काल सेंटर के माध्यम से लोग शासकीय योजनाओं के संबंध में जानकारी भी ले सकेंगे। काल सेंटर के माध्यम से प्रशासन द्वारा विभिन्न अभियानों पर नागरिकों का फीडबैक भी लिया जाएगा ताकि शासकीय योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन की स्थिति को जान सकें। काल सेंटर के नोडल अधिकारी डिप्टी कलेक्टर होंगे।

1 अप्रैल से बेरोजगारी भत्ता के लिए आनलाइन आवेदन आमंत्रित

एक अप्रैल से बेरोजगार भत्ता योजना हेतु आनलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित किया गया है। इसके लिए सभी जनपद पंचायत एवं नगरीय निकायों में 5 से 6 ग्रामों एवं वार्डों का क्लस्टर तैयार किया गया गया है। प्रत्येक क्लस्टर में एक राजपत्रित अधिकारी एवं 3 अन्य अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। इसके लिए सभी अधिकारियों को प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

यूनिसेफतैयार कर रहा प्ले स्कूल के लिए कार्ययोजना

जिले में आरंभ होने वाले प्ले स्कूलों में छोटे बच्चों की रुचि के मुताबिक पढ़ाई होगी और खेल खेल में उनका पाठ्यक्रम पूरा होगा। इसके लिए यूनिसेफ कार्ययोजना तैयार कर रहा है। इससे बच्चों के सर्वांगीण विकास में मदद मिलेगी।

खास - खबर

बेरोजगारी भत्ता प्रदान करने की मॉनिटरिंग के लिए जिला स्तरीय क्रियान्वयन समिति का किया गया गठन

दुर्ग। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा शिक्षित बेरोजगारों को 1 अप्रैल से बेरोजगारी भत्ता प्रदान करने के लिए जिला स्तरीय क्रियान्वयन समिति का गठन किया गया है। शासन द्वारा शिक्षित बेरोजगारों को 1 अप्रैल 2023 से प्रतिमाह 25 सौ रुपए बेरोजगारी भत्ता प्रदान किया जाएगा। इसके लिए 28 मार्च तक क्लस्टर का गठन कर प्रत्येक क्लस्टर हेतु आईडी एवं पासवर्ड जारी किया जाएगा। इसके लिए जिला स्तरीय समिति की अध्यक्षता कलेक्टर श्री पुष्पेन्द्र कुमार मीणा द्वारा की जाएगी। इसके उपाध्यक्ष सीएमओ जिला पंचायत होंगे। उपसंचालक रोजगार/ जिला रोजगार अधिकारी जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र इसके सदस्य सचिव होंगे। महाप्रबंधक जिला व्यपार एवं उद्योग केन्द्र, उपसंचालक, जिला जनसंपर्क कार्यालय, लीड बैंक मैनेजर, सहय संचालक, जिला कौशल विकास प्राधिकरण, प्राचार्य व सहायक परियोजना अधिकारी जिला परियोजना लाइवलीहुड इसके सदस्य होंगे।

दादी राणी सती जी के मंगलपाठ में झूम उठी महिलाएं..

दुर्ग। श्री सत्तीचौरा माँ दुर्गा मंदिर, गंजपारा, दुर्ग के 13 वे वार्षिकोत्सव एवं चैत्र नवरात्र पर्व के अवसर पर आज सातवे दिवस दादी राणी सती जी के मंगलपाठ का आयोजन किया गया जिसमें भारी मात्रा में चुनरी वाली साड़ी पहनकर महिलाएं मां दुर्गा मंदिर आये,और भजनों की प्रस्तुति में खूब झूमे.. दादी आई है, मेरी मैया मेरे घर आई रे', 'आज है दादी अमावस्या', 'श्रीराणी सती दादी की जय', 'दे दे थोड़ा प्यार दादी' जैसे भक्ति भजनों पर महिलाएं जमकर झूमी। मौका था- दादी परिवार सत्तीचौरा माँ दुर्गा मंदिर महिला समिति द्वारा आज दिनाँक 28 मार्च को आयोजित राणी सती दादीजी के मंगलपाठ का। महोत्सव में छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध भजन सम्राट मनोज शर्मा रायपुर एवं साँवरे ग्रुप भाटापारा ने अमृतवाणी से श्रद्धालुओं को कथामृत का रसपान कराया गया। मंगल महोत्सव में महिलाओं ने भी दादी का मंगल पाठ किया। समिति की अनिता अग्रवाल एवं चंचल शर्मा ने बताया कि मंगल पाठ के दौरान दादीजी के जन्म प्रसंग के दौरान कई श्रद्धालुओं ने उपहार के रूप में चाकलेट, खिलौने, मिठाइयां, लड्डू व अन्य वस्तुएं बांटी एवं शिक्षा की रस्म में सभी उपस्थित छोटे छोटे बच्चों को कॉपी पेन का वितरण किया गया, कथा में दादी जी के विवाह रस्म अजोजक समित्ति की महिलाओं ने सभी उपस्थित महिलाओं को मेहदी एवं हल्दी लगाई और सती होने तक की सभी रस्मों का मंचन किया गया। जन्मोत्सव के दौरान बधाइयां लेने के लिए बड़ी संख्या में महिलाएं व कन्याएं उमड़ी।

सेल प्रबंधन प्रशिक्षु तकनीकी का भिलाई में सेंट्रल इंडक्शन प्रोग्राम उद्घाटित

भिलाई। सेल के भिलाई इस्पात संयंत्र में सेल के प्रबंधन प्रशिक्षु तकनीकी (एम. टी. टी.) बैच 2023 के लिए सेंट्रल इंडक्शन प्रोग्राम (केंद्रीय प्रवेश कार्यक्रम) का शुभारंभ भिलाई निवास के बहुउद्देशीय सभागार में संयंत्र के मानव संसाधन विकास विभाग के सहयोग से 28 मार्च, 2023 को आयोजित किया गया। जिसमें भारत सरकार की महारत्न कंपनी सेल और उससे संबंधित इकाइयों की उपलब्धियों पर चर्चा के साथ प्रशिक्षण में शामिल नवचयनित अभियंताओं को प्रेरित किया गया। इस अवसर पर निदेशक प्रभारी (भिलाई इस्पात संयंत्र) अनिर्बान दासगुप्ता, निदेषक (कार्मिक) के के सिंह, कार्यपालक निदेषक (मानव संसाधन विकास-रांची) संजीव कुमार, कार्यपालक निदेषक (कार्मिक एवं प्रषासन) एम एम गद्रे, कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएं) एस मुखोपाध्याय, कार्यपालक निदेषक (सामग्री प्रबंधन). ए चक्रवर्ती, कार्यपालक निदेषक (वित्त एवं लेखा) डॉ ए के पंडा, मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (खदान और रावघाट) श्री समीर स्वरूप, मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य) डॉ. एम रवींद्रनाथ सहित अन्य सीजीएम और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

रिसाली निगम का बजटः महापौर शशि सिन्हा ने पेश किया 120.41 करोड़ का बजट, सुविधाओं पर ध्यान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। रिसाली महापौर शशि सिन्हा ने बुधवार को 120 करोड़ 41 लाख 16 हजार का 2023-24 के लिए बजट प्रस्तुत की। महापौर द्वारा लगभग 20 मिनट के बजट अभिभाषण प्रस्तुत करने के बाद सभापति केशव बंछोर ने विशेष सभा में बजट संकल्प ध्वनि मत से पारित कराया। हालांकि सदन में विपक्ष पार्षदों ने चर्चा में शामिल नहीं होने की बात कहते हुए अंत तक हंगामा करते रहे। इस बजट में लोगों की मूलभूत सुविधाओं पर ध्यान देने का दावा किया जा रहा है।

नगर पालिक निगम का दूसरा बजट महापौर शशि सिन्हा द्वारा सदन में रखते ही सत्तापक्ष के पार्षद सदस्यों ने टेबल ठोक कर ध्वनी मत से पारित किया। अभिभाषण के दौरान कांग्रेसी पार्षदों ने कई बार ताली और मेज बजाकर बजट का समर्थन करते रहे। हालांकि महापौर का अभिभाषण शुरू होने से पहले विपक्षी पार्षदों ने हंगामा शुरू कर दिया। जैसे ही विपक्ष सभापति आंशदी के सामने जमीन पर बैठे, महापौर शशि ने बजट अभिभाषण पढ़ना शुरू कर दिया। बजट संकल्प ध्वनि मत से पारित होते ही सभापति ने राष्ट्रगान कराकर सभा समाप्ती की घोषणा की। सदन में दुर्ग ग्रामीण विधायक, गृह एवं लोक निर्माण विभाग मंत्री ताम्रध्वज साहू के प्रतिनिधि के रूप में जितेन्द्र साहू व दुर्ग सांसद प्रतिनिधि के रूप में दीपक चंद्राकर मौजूद थे। वहीं महापौर परिषद के सद्स्य चन्द्रभान सिंह ठाकुर, गोविन्द चतुर्वेदी, अनुप डे, सनीर साहू,

चन्द्रप्रकाश सिंह निगम, सोनिया देवांगन, ईश्वरी साहू, परमेश्वर कुमार और पार्षद, एल्डरमेन प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री के प्रति जताया आभार

महापौर शशि ने बजट अभिभाषण में क्षेत्रीय विधायक व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू और विशेष तौर पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के प्रति आभार व्यक्त की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने रिसाली निगम को 150 करोड़ विकास के नाम पर प्रदान किया है। इस राशि से क्षेत्र का विकास होगा। अभिभाषण में महापौर ने सड़क, नाली, आंगनबाड़ी भवन का निर्माण और जल भराव वाले क्षेत्र से पानी निकासी के लिए ह्यूम पाइप की जगह बाक्स कल्वट निर्माण के अलावा श्रमिक बाहुल्य क्षेत्र में रहने वालों के लिए वर्ष 15-16 से टैक्स निर्धारण कर एकमुस्त राशि जमा करने पर 50 प्रतिशत छुट को बतौर उपलब्धि बताया। महापौर ने कहा कि दलीय मतभेदों से परे और इस क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड में वहां की मूलभूत आवश्यकताओं को दृष्टिगत रखते हुए सर्वांगीण विकास करना शहर सरकार की प्राथमिकता है।

एक नजर आय व्यय पर

अनुमानित बजट - 12041.63 लाख
राजस्व आय - 4621.66 लाख
पूंजीगत आय - 4637.19 लाख
राजस्व व्यय - 4637.19 लाख
पूंजीगत व्यय - 4637.19 लाख

इस बजट में रखे गए कार्य

- विभिन्न वाहन क्रय के लिए 1000 लाख का प्रावधान: जैसे डीआई मैक्स, चलित शौचालय, काऊ कैचर।
- जनस्वास्थ्य विभाग में संसाधन जुटाने 100 लाख का प्रावधान: हाथ रिक्शा, टिप्पर व अन्य संसाधन।
- स्कूल सुरक्षा और बेडमिंटन कोर्ट 100 लाख का प्रावधान: स्कूल के मुख्य गेट में सी.सी. टीवी व आत्मानंद रिसाली, पुरैना एवं नेवई स्थित शासकीय स्कूल में बेडमिंटन कोर्ट।
- मरोदा सेक्टर फुटबाल ग्राऊंड 200 लाख: चेंजिंग रूम, दर्शकों के लिए बैठक व्यवस्था, पानी की व्यवस्था।
- प्रकाश व्यवस्था के लिए 150 लाख का प्रावधान।
- उद्यानों के लिए 250 लाख का प्रावधान: पाथवे निर्माण एवं बेहतर व्यवस्था साथ ही महिला समूह को रखरखाव के लिए दिया जाएगा।
- नागरिकों को डस्टबीन और मार्केट में ट्वीन बीन लगाने 257 लाख का प्रावधान।
- मार्केट व सार्वजनिक क्षेत्र में सी.सी.टीवी कैमरा लगाने 50 लाख का प्रावधान।
- जल को सहेजने 200 लाख का प्रावधान: सरकारी भवनों और सार्वजनिक जगहों में बनेगा वाटर हार्वेस्टिंग।
- सड़क मरम्मत और निर्माण के लिए 600 लाख का प्रावधान।
- तालाबों को संवारने 200 लाख का प्रावधान।
- सामुदायिक भवन बनाने 100 लाख का प्रावधान।
- मुख्य मार्केट में अत्याधुनिक शौचालय बनाने 50 लाख प्रावधान।
- कार्यालय भवन विस्तार के लिए 100 लाख।
- वार्ड 8 रिसाली सेक्टर फुटबाल ग्राउंड का विस्तार 200 लाख।
- नाला चैड़ीकरण व कल्वट बनाने 600 लाख का प्रावधान।
- सौन्दर्यीकरण और वर्टिकल गार्डन 100 लाख का प्रावधान।

भिलाई निगम में तबादला : 11 कर्मचारी हुए इधर से उधर, आयुक्त ने जारी किया आदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई में कार्यरत 11 कर्मचारियों का स्थानांतरण कर नवीन पदस्थापना दी गई है। निगम आयुक्त रोहित व्यास के निर्देश पर अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी ने इसका आदेश जारी कर दिया है। आदेश के मुताबिक लीला लहरी सहायक ग्रेड 3 जनगणना विभाग को भवन अनुज्ञा शाखा में, महेश कुमार देवांगन सहायक ग्रेड 3 जनगणना विभाग को भवन अनुज्ञा शाखा में, वीरेंद्र चतुर्वेदी सहायक ग्रेड 3 भवन अनुज्ञा शाखा को लेखा शाखा कैशियर कार्य हेतु, हरिओम गुप्ता सहायक राजस्व निरीक्षक राजस्व विभाग बेदखली दल को राजस्व विभाग में लिपिकीय कार्य में तबादला किया गया।

इसी प्रकार तेजस्व गुप्ता स्वच्छता पर्यवेक्षक सिटी बस विभाग एमएमयू को राजस्व विभाग में लिपिकीय कार्य हेतु, तोसेंद्र साहू स्वच्छता पर्यवेक्षक विधि विभाग को वर्तमान कार्य के साथ-साथ राजस्व विभाग में लिपिकीय कार्य

हेतु, सागर दुबे स्वच्छता पर्यवेक्षक भवन अनुज्ञा शाखा को जोन क्रमांक 4 में जन स्वास्थ्य विभाग में, लक्ष्मी नारायण पटेल सफाई कामगार राजस्व विभाग को जनगणना विभाग में भृत्य कार्य हेतु, कुमारी बाई कुक राजस्व विभाग को जनगणना विभाग में भृत्य कार्य हेतु, एवन वर्मा चौकीदार भवन अनुज्ञा शाखा को जनगणना विभाग में तथा शशि भूषण मोहंती चौकीदार भवन अनुज्ञा शाखा को जनगणना विभाग में पदस्थ किया गया है। आदेश तत्काल प्रभावशील हो गया है। अब इन कर्मचारियों को नवीन पदस्थापना स्थल पर कार्य करना होगा।

मनरेगा मजदूरों को एक अप्रैल से मिलेगा बढ़ी हुई मजदूरी दर, नई मजदूरी दर अब 221 रूपए

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय के द्वारा महात्मा गांधी ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के अंतर्गत ग्रामीण मजदूरों के लिए मजदूरी दर 221 रूपए राशि का निर्धारण किया गया है, जिसके तहत एक अप्रैल से महात्मा गांधी ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना में कार्य करने वाले मजदूरों को अब 221 रुपए मजदूरी दर प्राप्त होगी। यह राशि आधार आधारित सक्षम प्रणाली के आधार पर मजदूरों को बैंक एकाउंट से आधारकार्ड लिंक करने पर सीधे खाते में राशि जमा होगी।

मनरेगा मजदूरों को एक अप्रैल से 221 रुपये प्रति कार्य दिवस की

दर से प्राप्त होगा। केंद्रीय ग्रामीण मंत्रालय विकास ने 24 मार्च को महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत मजदूरी दरों में बढ़ोतरी कर नोटिफिक्रेशन जारी किया है। एक अप्रैल से मनरेगा मजदूरी की राशि सीधे आधारकार्ड बैंक से लिंक करने पर खाते में जमा होगी, इससे श्रमिकों को कहीं भटकना नहीं पड़ेगा। मजदूर देश के किसी भी कोने में जाकर ग्राहक सेवा केंद्र एवं बैंक से अपनी मजदूरी की राशि निकाल सकेंगे।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अश्वनी देवांगन के मार्गदर्शन में मनरेगा जाबकार्डधारी परिवारों का आधार वेरिफिक्रेशन का कार्य बैंक में किया जा रहा है, जिससे मनरेगा मजदूरों को उनकी बढ़ी हुई राशि प्राप्त हो सकेगी। अधिक जानकारी के लिए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के कार्यालय संपर्क कर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

आदिवासी नगर में स्वागत द्वार का विधायक देवेन्द्र यादव ने किया लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव मंगलवार को वार्ड 40 छावनी आदिवासी नगर पहुंचे। जहां भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने वार्ड वासियों को स्वागत द्वार और सर्व सुविधा युक्त शौचालय की सौगात दी। वार्ड वासियों और आदिवासी समाज के प्रभुत्व जनो के साथ मिलकर विधायक यादव ने दोनों विकास कार्यों का लोकार्पण किया। पूरे विधि विधान के साथ लोकार्पण समारोह का आयोजन हुआ। इस दौरान सामूहिक भोज में विधायक ने सभी के साथ बैठकर भोजन भी किया।

विधायक देवेन्द्र यादव के वार्ड में पहुंचते ही वार्ड वासियों ने उनका स्वागत किया। इसके बाद स्वागत द्वार और सर्व सुविधा युक्त शौचालय का लोकार्पण किया। इस मौके पर विधायक देवेन्द्र यादव ने कहा कि आप सभी वार्ड वासियों और आदिवासी समुदाय के लोगों का हमेशा से मुझे प्यार और आशीर्वाद मिलता रहा है। हम सब एक परिवार का हिस्सा है। और जब परिवार एकजुट होता है तो पूरा परिवार हर समस्या से लड़ सकते है। हम सब ने मिलकर भिलाई की भलाई के लिए काम किया और सफल भी हुए।

विधायक देवेन्द्र यादव ने कहा कि पिछली बार मैं यहां आया था तब आप सब से मिला आप लोगों ने प्रवेश द्वार और शौचालय की मांग की थी। जिस पर हम सब ने काम किया और आज हम आप सब को प्रवेश द्वार और शौचालय समर्पित कर रहे है। हमने जब भी जो वादा किया उसे हमने पूरा किया। हमारे मुखिया मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी सब को पट्टा देने,राशन कार्ड देने, मकान का मालिकाना हक देने का वादा किया जिसे पूरा कर के दिखाए है।

इस दौरान विधायक देवेन्द्र यादव ने कहा कि आप सब ने हमे हो प्यार और आशीर्वाद दिया है इसे बनाएं रखिएगा। कार्यक्रम के अंत मे आदिवासी समाज के सम्मनित पदाधिकारियो ने आशीर्वचन देते हुए कहाँ की हम सब ने विधायक यादव को हमेशा अपना बेटा माने है, कभी उन्हें नेता नहीं समझे । हमें हमेशा वे हमारे परिवार का हिस्सा है सदस्य है।

हमेशा वे हम लोगों से मिलने और समस्याओं को जानने के लिए आते है। भेंट मुलाकात करते है। हमने जब भी जिन भी विकास कार्यों की मांग की उन्होंने पूरा किया। प्रवेश द्वार बनवाया और सर्व सुविधा युक्त शौचालय भी बनवाया है। इसके लिए हम सब वार्ड वासी विधायक यादव का दिल से धन्यवाद और आभार जताते है।

अवैध प्लाटिंग के मामले में दोषी पाए जाने पर छग पंचायती राज अधिनियम की धारा 40 के तहत होगी कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार के निर्देशानुसार जिले में अवैध प्लॉटिंग एवं राजस्व के मामलों में तेजी से निराकरण हेतु त्वरित कार्रवाई एवं मॉनिटरिंग की जा रही है। बीते दिनों चौहान ग्रीनवैली जुनवानी निवासी फिरोज खान द्वारा ग्राम जेवरा में विभिन्न भूमिस्वामियों के द्वारा अवैध प्लाटिंग किये जाने के संबंध में शिकायत की गई थी। जिसके आधार पर अनुविभागीय अधिकारी द्वारा 26 मार्च 2023 को सरपंच ग्राम पंचायत, हल्का पटवारी एवं अन्य ग्रामवासियों के उपस्थिति में मौका निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान महावीर डेवलपर्स जिसका संचालन योगेश पाण्डे के द्वारा किया जा रहा है, के विरूद्ध कार्यवाही की गई तथा महावीर डेवलपर्स के द्वारा मौके पर अवैध प्लाटिंग किया जाना पाए जाने पर हल्का पटवारी से उपरोक्त संबंध में लिखित जांच प्रतिवेदन प्राप्त किया गया।

हल्का पटवारी से प्राप्त प्रतिवेदन अनुसार ग्राम जेवरा स्थित भूमि खसरा नंबर 495/1 रकबा 0.7263 हे. राम अवतार पिता जगनाथ एवं अन्य पांच के नाम पर दर्ज है।

इसके अलावा मोहन पिता चंद्रिका अन्य 02 के नाम पर दर्ज भूमि पर अवैध प्लाटिंग पाई गयी। उक्त अवैध प्लाटिंग का कार्य महावीर डेब्लपर्स के द्वारा किया जा रहा है, जो योगेश पाण्डे के नाम पर है तथा योगेश पाण्डेय के द्वारा किसानों को गुमराह करके अवैध प्लाटिंग का कार्य किया जाना प्रतिवेदित किया गया है।

हल्का पटवारी द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के अनुसार ग्राम जेवरा स्थित भूमि खसरा नंबर 496/1 योग रकबा 0.7263 हे. पर सरपंच के चाचा के द्वारा अवैध प्लाटिंग किया जाना भी पाया गया।

सरपंच द्वारा उनके विरूद्ध कार्यवाही करने तथा प्रशासन का साथ देने से इंकार किया गया। एसडीएम दुर्ग ने इस मामले में सरपंच ज़ेवरा को नोटिस जारी करते हुए दोषी पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950